जागरूक जनता

1 जुलाई - 7 जुलाई 2026 R.N.I.Regd.No.:RAJHIN/2015/61758

ज्येष्ठ, पक्ष - कृष्ण, तिथि - प्रतिपदा, संवत 2083 पृष्ठ : 8 जयपुर, बुधवार वर्ष-12, अंक-18, मूल्य ₹ 5/- वार्षिक मूल्य : ₹ 250/- साप्ताहिक

30वां राज्य स्तरीय भामाशाह सम्मान समारोह- 2026

सम्पत्ति का सबसे बड़ा सौन्दर्य है उसका समाज के लिए समर्पण- उप मुख्यमंत्री

276 से अधिक भामाशाहों, प्रेरकों एवं एनआरआई दानदाताओं का हुआ सम्मान

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। शिक्षा के क्षेत्र में जनसहभागिता और सामाजिक योगदान को सम्मानित करने की परंपरा को आगे बढ़ाते हुए 30वें राज्य स्तरीय भामाशाह सम्मान समारोह 2026 का आयोजन बिड़ला ऑडिटोरियम में किया गया। कार्यक्रम में 276 से अधिक भामाशाहों, प्रेरकों एवं एनआरआई दानदाताओं को शिक्षा विभूषण, शिक्षा भूषण, प्रेरक सम्मान से सम्मानित किया गया। इन भामाशाहों ने वित्त वर्ष 2025-26 में 318 करोड़ रुपए का सहयोग दिया है। इस मौके पर 'भामाशाह प्रशस्ति' पुस्तिका का विमोचन भी किया गया।

समारोह में उपमुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा ने कहा कि भामाशाह सम्मान समारोह का दिन केवल सम्मान का नहीं बल्कि आत्मा के उत्सव का दिन है, संस्कृति का उत्सव है। उन्होंने कहा कि सम्पत्ति का सबसे बड़ा सौन्दर्य है, उसका समाज के लिए समर्पण। राजस्थान वीरों के साथ ही दानवीरों की धरती भी है। यहां तलवार के साथ ही त्याग भी देखने को मिलता है। मंच के समक्ष बैठे सभी व्यक्ति भामाशाह की परम्परा के प्रतिनिधि है। धन कमाना योग्यता हो सकती है लेकिन धन का समाज के लिए उपयोग महानता का प्रतीक है। अब राजस्थान की पहचान केवल किलों से नहीं , हमारे विद्यालयों से, हमारी बालिकाओं की प्रगति से भी होगी।

शिक्षा मंत्री श्री मदन दिलावर ने कहा कि मेवाड़ की शौर्य गाथा महाराणा प्रताप और भामाशाह के बिना अधूरी है। उन्होंने भामाशाह श्री पूनम चंद राठी का धन्यवाद ज्ञापित किया, जिनकी सहायता से बीकानेर के जयमलसर में राजकीय बालिका सैन्य विद्यालय बन रहा है। उन्होंने कहा कि विद्यालय अब अधिक सुरक्षित व तकनीकी रूप से समक्ष बन रहे हैं। अब श्यामपट्ट की जगह स्मार्ट बोर्ड आ गए हैं। भामाशाहों को किसी तरह की परेशानी न हो, इसके लिए एक विशेष सेल गठित की जा रही है जो पारदर्शी तरीके से कार्य करेगी। विद्यालय की प्रबंधन समिति में भामाशाहों के दो प्रतिनिधि भी होंगे। ऐसे कई प्रयास विभाग की ओर से किए जा रहे हैं। उन्होंने भामाशाहों को विश्वास दिलाया कि उनके द्वारा प्रदान किए गए धन को पूरा सदुपयोग शिक्षा के विकास के लिए ही होगा।

शिक्षा विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव राजेश यादव ने महाराणा प्रताप व भामाशाह के त्याग का स्मरण करते हुए प्रदेश में शिक्षा की उन्नति के लिए आगे आने वाले भामाशाहों को धन्यवाद दिया। उन्होंने विभाग के प्रयासों के बारे में जानकारी दी। उन्होंने मुख्यमंत्री विद्यादान कोष व ज्ञान संकल्प पोर्टल का जिक्र करते हुए बताया कि विभाग की ओर से भामाशाहों के लिए पूरी प्रक्रिया सरल व पारदर्शी बनाई गई है।

समारोह में मिड डे मील आयुक्त श्री विश्वमोहन शर्मा, राज्य परियोजना निदेशक एवं समग्र शिक्षा राजस्थान आयुक्त डॉ.रश्मि शर्मा, माध्यमिक शिक्षा निदेशक श्री सीताराम जाट एवं निदेशक राजस्थान स्टेट ओपन स्कूल राजस्थान श्री महेंद्र खींची, सम्मानित भामाशाह, विशिष्ट भामाशाह, प्रेरक, समस्त विभागीय उपायुक्त एवं स्कूल शिक्षा विभाग के अन्य अधिकारी कार्मिक उपस्थित रहे।

दानदाताओं को मिला सम्मान

समारोह में राजकीय विद्यालय के नए भवन निर्माण, अतिरिक्त निर्माण कार्य, निर्मित भवनों के विकास, भूमि दान देने तथा अन्य भौतिक संसाधनों के माध्यम से शिक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने में महत्वपूर्ण योगदान देने वाले 276 से अधिक भामाशाह, प्रेरक एवं एनआरआई दानदाताओं को सम्मानित किया गया। 49 भामाशाह को शिक्षा विभूषण व 105 भामाशाहों को शिक्षा भूषण सम्मान से नवाजा गया। 99 प्रेरकों को सम्मानित किया गया। सम्मानित होने वालों में 23 एनआरआई दानदाता भी शामिल हैं।

कथक नृत्य 2026 में मनमोहक प्रस्तुतियों का आगाज

भारतीय संस्कृति हुई जीवंत

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। शिवानी के संयोजन में आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम कथक (नृत्य 2026) का सफल आयोजन जवाहर कला केंद्र जयपुर में हुआ। कार्यक्रम में देवी स्तुति, गणेश वंदना, नागेंद्रहाराय शिव स्तुति तथा तीनताल, झपताल और धमार की प्रभावशाली प्रस्तुतियों ने दर्शकों का मन मोह लिया। साथ ही विभिन्न लोक नृत्यों ने भारतीय संस्कृति की विविधता को जीवंत रूप से प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में संयुक्त भारतीय धर्म संसद के राष्ट्रीय अध्यक्ष आचार्य राजेश्वर प्रसिद्ध कानूनविद व समाज सेवी एच सी गणेशिया, श्वेता मेहता मोदी, सौम्यता मिश्रा, और खुशबू शर्मा मुख्य अतिथि रहे। कार्यक्रम में देश के विभिन्न राज्यों से आए शिष्यों ने अपनी उत्कृष्ट प्रस्तुतियों से मंच को राष्ट्रीय स्वरूप प्रदान किया। कलाकारों की प्रतिभा और अनुशासित प्रस्तुति से पूरा सभागार तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा। यह आयोजन शिवानी शर्मा का प्रथम आयोजन था। जिसके लिए अतिथि एवं दर्शकों ने कार्यक्रम की मुक्त कंठ से सराहना करते हुए भविष्य में भी ऐसे सांस्कृतिक आयोजनों की निरंतरता की शुभकामनाएं दीं।

राजस्थान-बंगाल करेंगे सांस्कृतिक संबंधों को मजबूत

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। कोलकाता के आईटीसी सोनार बंगला होटल में राजस्थान की उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी के सम्मान में एक अभिनंदन समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता राजस्थान फाउंडेशन के केन्द्रीय संगठन के वरिष्ठ तथा एनआरआर (प्रवासी राजस्थानी) पश्चिम बंगाल एवं बिहार के समन्वयक डॉ. अरुण अग्रवाल ने की। राजस्थान सरकार द्वारा गठित राजस्थान फाउंडेशन कलकत्ता चैप्टर की सदस्य अंजु सेठिया ने दिया कुमारी जी का राजस्थानी लहरिया पहनाकर अभिनंदन किया। राजस्थान फाउंडेशन के केन्द्रीय संगठन के कोलकाता में राजस्थान प्रवासियों को अपनी जड़ से जोड़े रखने एवं बंगाल-राजस्थान में सांस्कृतिक सम्बन्ध को और मजबूत करने के बारे भी बात की। राजस्थान कोलकाता प्रवासीयो को जोडने पर भी बात हुई और दिया कुमारी जी कोलकाता मे कार्यक्रम करने पर आने का भी आश्वासन दिया। इस दौरान डाक्टर विनय गोयल, हरिप्रसाद अग्रवाल भाईजी,पवन पाटोदिया, सुधा अग्रवाल ,मीनल गोयल, चंदा गोलछा, सरोज भंसाली, सुप्यार पुगलिया आदि उपस्थित रहे। यह जानकरी समाजसेवी अंजु सेठिया ने दी।

देश-विदेश

मोदी ने केंद्रीय मंत्रालयों के सचिवों की बुलाई उच्च-स्तरीय बैठक

नई दिल्ली @ जागरूक जनता। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने केंद्रीय मंत्रालयों के सचिवों के साथ एक उच्च स्तरीय बैठक बुलाई और मंत्रालयों और विभागों के हालात जाने। उन्होंने मीटिंग की अध्यक्षता करते आला अफसरों को विकसित भारत का विजन याद दिलाया। यह बैठक प्रधानमंत्री मोदी की कल सेशेल्स की आधिकारिक यात्रा पूरी होने के बाद हुई। गौरतलब है कि दो महीने से भी कम समय में शीर्ष नौकरशाही के साथ प्रधानमंत्री की यह दूसरी महत्वपूर्ण संस्थागत बातचीत रही। प्रधानमंत्री मोदी ने अलग-अलग मंत्रालयों कार्यों की समीक्षा की और तेजी से फैसले लेने, पारदर्शी कामकाज और विभागों के बीच बेहतर तालमेल पर जोर दिया। इस अहम बैठक का मुख्य एजेंडा उन रेगुलेटरी रोडमैप की समीक्षा करना है, जिनका मकसद 'विकसित भारत' का विजन आगे बढ़ाना है।

अगले साल गणतंत्र दिवस पर डोनाल्ड ट्रंप को भारत बुलाने की मांग

नई दिल्ली @ जागरूक जनता। भारत और अमेरिका के रिश्तों को लेकर चल रही चर्चाओं के बीच यूएस-इंडिया स्ट्रैटेजिक पार्टनरशिप फोरम के अध्यक्ष मुकेश अघी ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को भारत के गणतंत्र दिवस समारोह में मुख्य अतिथि के तौर पर आमंत्रित किया जाना चाहिए। अघी ने कहा कि ट्रंप को भारत को और करीब से समझने के लिए ज्यादा समय देना चाहिए। उन्होंने याद दिलाया कि पिछली बार ट्रंप का भारत दौरा सिर्फ 36 घंटे का था, इसलिए इस बार उन्हें देश को बेहतर तरीके से जानने का मौका मिलना चाहिए।

जनरल धीरज सेठ ने नये सेना प्रमुख का कार्यभार संभाला

नई दिल्ली @ जागरूक जनता। जनरल धीरज सेठ ने मंगलवार को 31 वें सेना प्रमुख का कार्यभार संभाल लिया। उन्हें जनरल उपेंद्र द्विवेदी के स्थान पर यह जिम्मेदारी दी गयी है जो चार दशक से भी लंबी सेवा के बाद सेवानिवृत हो गये। जनरल सेठ राष्ट्रीय रक्षा अकादमी, खड़कवासला के पूर्व छात्र हैं और दिसंबर 1986 में उन्हें आर्म्ड कोर में कमीशन मिला था। लगभग चार दशकों के शानदार मिलिट्री करियर के दौरान उन्हें संचालन, रणनीतिक, क्षमता विकास और संस्थागत क्षेत्रों में कार्य का व्यापक अनुभव है।

राम मंदिर चढ़ावा चोरी पर एसआईटी रिपोर्ट सार्वजनिक करे सरकार-कांग्रेस

नई दिल्ली @ जागरूक जनता। कांग्रेस ने अयोध्या के राम मंदिर में चढ़ावे की चोरी के मामले में बड़े और जिम्मेदार लोगों को बचाने का आरोप लगाते हुए केंद्र सरकार और मंदिर ट्रस्ट से इस मामले की जांच के लिए गठित विशेष जांच दल (एसआईटी) की रिपोर्ट सार्वजनिक करने की मांग की है। कांग्रेस की सोशल मीडिया एवं डिजिटल प्लेटफॉर्म्स की चेयरपर्सन सुप्रिया श्रीनेत ने यहां पार्टी मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन में कहा कि राम मंदिर में चढ़ावे की चोरी 'महापाप' है लेकिन प्राण प्रतिष्ठा और शिलान्यास में प्रमुख भूमिका निभाने वाले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी इस मुद्दे इस मुद्दे पर मौन हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि विशेष जांच दल की रिपोर्ट जमा होने के बावजूद उसे सार्वजनिक नहीं किया गया।

हरियाणा मॉडल से देश सीखेगा आधुनिक और टिकाऊ खेती का रास्ता-चौहान

नई दिल्ली @ जागरूक जनता। 'खेत बचाओ' अब राष्ट्रीय मिशन बनेगा। रेवाड़ी में 'खेत बचाओ अभियान' का समापन समारोह हुआ। केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान समापन समारोह में शामिल हुए। इस अवसर पर शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि 'खेत बचाओ' अब सिर्फ अभियान नहीं, राष्ट्रीय मिशन बनेगा। हरियाणा देश को नई राह दिखा रहा है। शिवराज सिंह ने संतुलित उर्वरक और प्राकृतिक खेती को बताया भविष्य की जरूरत है। हरियाणा मॉडल से देश आधुनिक और टिकाऊ खेती का रास्ता सीखेगा। टेक्नोलॉजी से खेती बदलेगी, मोबाइल बताएगा मिट्टी को कितनी खाद चाहिए।

निर्जला एकादशी पर हाथोज धाम में सजी भव्य झांकी

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। निर्जला एकादशी के पावन अवसर पर हाथोज धाम स्थित श्री दक्षिणमुखी बालाजी मंदिर में भगवान श्री सीताराम जी, श्री राधा गोविंद जी एवं श्री बालाजी महाराज की आकर्षक झांकी सजाई गई। इस अवसर पर संपूर्ण मंदिर परिसर को रंग-बिरंगे पुष्पों से भव्य रूप से सजाया गया, जिससे वातावरण भक्तिमय एवं आध्यात्मिक ऊर्जा से ओत-प्रोत हो उठा। हाथोज धाम पीठाधीश्वर एवं हवामहल विधायक स्वामी बालमुकुंदाचार्य महाराज ने भगवान श्री सीताराम जी, श्री राधा गोविंद जी एवं श्री बालाजी महाराज की विशेष पूजा-अर्चना कर प्रदेश एवं देशवासियों के सुख, समृद्धि एवं उत्तम स्वास्थ्य की मंगलकामना की। उन्होंने कहा कि निर्जला एकादशी सनातन संस्कृति का अत्यंत महत्वपूर्ण एवं पुण्यदायी पर्व है, जो हमें संयम, सेवा, दान, गौसेवा एवं लोककल्याण की भावना को जीवन में आत्मसात करने की प्रेरणा देता है। निर्जला एकादशी के शुभ अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु मंदिर पहुंचे और भगवान के दर्शन कर धर्मलाभ प्राप्त किया। मंदिर में आने वाली माता-बहनों एवं श्रद्धालुओं ने भगवान का नाम जप करते हुए श्रद्धा एवं भक्ति भाव से मंदिर की परिक्रमा की तथा परिवार, समाज एवं राष्ट्र की सुख-समृद्धि के लिए प्रार्थना की। इस अवसर पर हाथोज धाम गौशाला में गौमाताओं के लिए फल एवं चारे की विशेष सेवा की गई। स्वामी बालमुकुंदाचार्य महाराज ने स्वयं गौमाताओं को फल एवं चारा अर्पित कर गौसेवा का पुण्य लाभ प्राप्त किया। श्रद्धालुओं ने भी गौसेवा में सहभागिता कर सनातन संस्कृति की इस महान परंपरा को आगे बढ़ाने का संदेश दिया। कार्यक्रम के दौरान श्री बालाजी जनकल्याण सेवा ट्रस्ट की ओर से मंदिर में पधारे सभी श्रद्धालुओं एवं भक्तों को सागारी लड्डुओं का प्रसाद वितरित किया गया।

मुख्यमंत्री शर्मा ने किया श्यामधनी इंडस्ट्रीज लि. के एमडी रामावतार अग्रवाल को सम्मानित

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। अंतर्राष्ट्रीय MSME दिवस के अवसर पर जयपुर में आयोजित कार्यक्रम में राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने श्यामधनी इंडस्ट्रीज लिमिटेड के प्रबंध निदेशक रामावतार अग्रवाल को उद्योग, रोजगार एवं नवाचार के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए सम्मानित किया। समारोह में उद्योग मंत्री राज्यवर्धन सिंह राठौड़, उद्योग राज्यमंत्री केके विश्नोई, मुख्य सचिव वी श्रीनिवास सहित उद्योग और व्यापार जगत की नामी हस्तियां मौजूद रही।

मुख्यमंत्री ने श्यामधनी इंडस्ट्रीज के कार्यों की सराहना करते हुए इसे प्रदेश के MSME सेक्टर के लिए प्रेरणादायक बताया। हाल ही में कंपनी के IPO को भी निवेशकों का शानदार समर्थन मिला और यह कई गुना सब्सक्राइब हुआ, जो कंपनी के प्रति बढ़ते विश्वास और मजबूत प्रदर्शन का प्रमाण है। साथ ही राजस्थान के MSME सेक्टर की ऊँची उड़ान को साबित करता है। श्यामधनी इंडस्ट्रीज लिमिटेड पिछले कई वर्षों से उच्च गुणवत्ता वाले मसालों और खाद्य उत्पादों के निर्माण में अग्रणी रही है तथा पूरे देश में अपने मजबूत नेटवर्क और ग्राहकों के विश्वास के साथ लगातार आगे बढ़ रही है। कंपनी के IPM मसालों ने देश में नवाचार और शुद्धता के मानकों को स्थापित किया है। कंपनी के एमडी रामावतार अग्रवाल ने इस प्रोत्साहन और सम्मान के लिए केंद्र और राज्य सरकार का आभार जताते हुए कहा की ऐसी पहल MSME क्षेत्र के उद्यमियों को संबल प्रदान करती है।

सहकार से समृद्धि लाने में वन-स्टॉप सॉल्यूशन बनी एम-पैक्स

सहकारिता मंत्रालय की पहल से एम-पैक्स बन रही हैं ग्रामीण विकास की धुरी

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। केन्द्रीय सहकारिता मंत्रालय की पहल से ग्राम पंचायत स्तर पर कार्य कर रही एम-पैक्स अब ग्रामीण विकास की धुरी बन चुकी है। पहले ग्राम सेवा सहकारी समिति केवल किसानों को ब्याज मुक्त फसली ऋण मुहैया कराने तक सीमित थी। यह समिति आज सहकारिता मंत्रालय द्वारा शुरू किये गये 114 नवाचारों में से अपनी आवश्यकता के अनुसार ट्रांसफॉर्म करते हुए किसानों को नवीन सेवाएं प्रदान कर रही हैं। जयपुर सेंट्रल कोऑपरेटिव बैंक के सभागार में आयोजित राज्य स्तरीय पैक्स परिवर्तन दिवस एवं सहकार चौपाल में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से अतिरिक्त रजिस्ट्रार भोमाराम ने कहा कि एम-पैक्स कॉमन सर्विस सेंटर, कस्टम हायरिंग सेंटर, एफपीओ, जन औषधि केंद्र, प्रधानमंत्री किसान समृद्धि केन्द्र के रूप में कार्य करते हुये वन-स्टॉप सॉल्यूशन बन कर सामने आयी है। उन्होंने कहा कि ज्यादा से ज्यादा आमजन को सहकारिता से जोड़ा जाना चाहिए।

सबसे पहले टोंक रोड पर दौड़ेगी जयपुर मेट्रो!

4 जुलाई को पीएम मोदी करेंगे शिलान्यास

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। करीब डेढ़ दशक के इंतजार के बाद 4 जुलाई का दिन जयपुर के सार्वजनिक परिवहन और शहरी विकास के इतिहास में एक महत्वपूर्ण पड़ाव साबित होने जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 13,000 करोड़ रुपए से अधिक लागत वाले जयपुर मेट्रो फेज-2 प्रोजेक्ट का वर्चुअली शिलान्यास करेंगे। कार्यक्रम का आयोजन सवाई मान सिंह स्टेडियम में होगा, जिसकी तैयारियां सरकार और मेट्रो प्रशासन की ओर से अंतिम चरण में हैं। शिलान्यास के साथ ही शहर में लगभग 10 किलोमीटर लंबे रूट पर निर्माण कार्य शुरू हो जाएगा। इस हिस्से में दो महत्वपूर्ण भूमिगत स्टेशन भी शामिल हैं। मेट्रो प्रशासन पैकेज-1 (प्रह्लादपुरा से पिंजरापोल गोशाला तक) का कार्यादेश जारी कर चुका है, जबकि पैकेज-2 के तहत सांगानेर पुलिस स्टेशन और एयरपोर्ट के दो भूमिगत स्टेशनों की निविदाएं भी जारी कर दी गई हैं। माना जा रहा है कि जयपुर मेट्रो फेज-2 में सबसे पहले इसी क्षेत्र में मेट्रो संचालन शुरू होगा।

नई लाइफलाइन होगा फेज-2

जयपुर मेट्रो का फेज-2 प्रहलादपुरा से शुरू होकर टोंक रोड होते हुए टोड़ी मोड़ तक जाएगा। पूरे कॉरिडोर में 36 स्टेशन प्रस्तावित हैं। इस महत्वाकांक्षी परियोजना पर कुल 13,037.67 करोड़ रुपए खर्च किए जाएंगे।

शेष के लिए अलग पैकेज

मेट्रो प्रशासन शेष रूट की निविदाएं करीब तीन अलग-अलग पैकेजों में जारी करेगा। अधिकारियों का मानना है कि निर्माण कार्य को हिस्सों में बांटने से प्रोजेक्ट की गति बढ़ेगी और समयबद्ध तरीके से काम पूरा किया जा सकेगा।

अन्य परियोजनाओं की रफ्तार भी सुस्त

फेज-1 सी : बड़ी चौपड़ से ट्रांसपोर्ट नगर इस परियोजना का शिलान्यास सितंबर 2023 में तत्कालीन मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने किया था। 40 माह में यानी जनवरी 2027 तक काम पूरा करने का लक्ष्य रखा गया था, लेकिन करीब एक वर्ष तक काम बंद रहने और बाद में डिजाइन व रिव्यू में बदलाव के कारण अब जून 2028 तक परियोजना पूरी होने का दावा किया जा रहा है।

प्रदेश में नहीं होगा जल संकट, यमुना जल प्रोजेक्ट के एमओयू पर हुआ साइन, बिछेगी 295.5 किमी. अंडरग्राउंड पाइपलाइन

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। दिल्ली में राजस्थान और हरियाणा के बीच यमुना जल समझौते पर हस्ताक्षर किए गए। लगभग 32 साल से लंबित यह परियोजना अब निर्णायक चरण में प्रवेश कर गई। लगभग 34,102 करोड़ रुपये की लागत वाली यह परियोजना राजस्थान के जल इतिहास में मील का पत्थर सिद्ध होगी। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह, केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सी.आर. पाटिल, राजस्थान के मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा और हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की मौजूदगी में MoA पर साइन हुआ। दोनों राज्यों एवं केंद्र सरकार के वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद रहे।

DPR जल आयोग के पोर्टल पर अपलोड

राजस्थान सरकार परियोजना की विस्तृत परियोजना प्रतिवेदन (DPR) तैयार कर केंद्रीय जल आयोग के E-PAMS पोर्टल पर अपलोड की जा चुकी है। हरियाणा पाइपलाइन अलाइनमेंट को सैद्धांतिक स्वीकृति भी दे चुकी है। परियोजना के निर्माण और संचालन के लिए राजस्थान हरियाणा यमुना वाटर परियोजना-SPV (RHYW-SPV) का गठन किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने विश्वास व्यक्त किया कि यह ऐतिहासिक पहल राजस्थान की आने वाली पीढ़ियों के लिए जल सुरक्षा सुनिश्चित करेगी और शेखावाटी सहित प्रदेश के जल संकटग्रस्त क्षेत्रों के सामाजिक, आर्थिक और औद्योगिक विकास को नई गति प्रदान करेगी।

295.5 किमी पाइपलाइन बिछाई जाएगी

हरियाणा के हथिनीकुंड बैराज से लगभग 295.5 किलोमीटर लंबी अंडरग्राउंड पाइपलाइन राजस्थान के चूरू जिले के हंसियावास जलाशय तक बिछाया जाएगा। 577 एमसीएस यमुना का पानी राजस्थान को मिलेगा। 3.6 मीटर व्यास की तीन अंडरग्राउंड पाइपलाइनें, निरीक्षण सड़क, कृत्रिम जलाशय और आधुनिक जल प्रबंधन प्रणाली विकसित की जाएगी। हरियाणा में भी 10 स्थानों पर पीने का पानी उपलब्ध कराने का प्रावधान किया गया है, जिससे यह परियोजना दोनों राज्यों के लिए समान रूप से लाभकारी सिद्ध होगी।

सीएम भजनलाल ने पीएम का जताया अभार

मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत के विजन में जल सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। प्रधानमंत्री के नेतृत्व में देश में जल संरक्षण, जल प्रबंधन और राज्यों के बीच सहयोग की नई कार्य संस्कृति विकसित हुई है। नर्मदा परियोजना, जल जीवन मिशन, केन-बेतवा लिंक परियोजना और राम जल सेतु लिंक जैसी परियोजनाओं की तरह यमुना जल परियोजना भी इसी दूरदर्शी सोच का परिणाम है। उन्होंने पीएम और गृह मंत्री अमित शाह का आभार जताया।

"भारतीय ज्ञान परंपरा-पारंपरिक ज्ञान से आधुनिक शिक्षा, शोध और नवाचार" विषयक पांच दिवसीय फैकल्टी डेवलपमेंट कार्यक्रम

प्राचीन ज्ञान का आधुनिक विज्ञान में समन्वय कर बनाएं समग्र विकास की राह -राज्यपाल

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने कहा कि प्राचीन भारत में आठ लाख गुरुकुल थे। इनमें व्यावहारिक जीवन के लिए 18 विद्याएं और 64 कलाओं का ज्ञान विद्यार्थियों को दिया जाता था। गुरुकुल में समग्र जीवन से जुड़ा ज्ञान विद्यार्थियों को मिलता था। इसमें नैतिकता को सर्वोच्च स्थान दिया गया था। उन्होंने भारतीय ज्ञान परंपरा से जुड़ी परंपराओं के संरक्षण की आवश्यकता जताई। उन्होंने कहा कि नई शिक्षा नीति प्राचीन ज्ञान से आधुनिक विज्ञान के विकास के समन्वय से भारत के सर्वांगीण विकास से जुड़ी है।

बागडे पूर्णिमा विश्वविद्यालय में विद्याभारती के सहयोग से आयोजित "भारतीय ज्ञान परंपरा-पारंपरिक ज्ञान से आधुनिक शिक्षा, शोध और नवाचार" विषयक पांच दिवसीय फैकल्टी डेवलपमेंट कार्यक्रम में संबोधित कर रहे थे। राज्यपाल ने 16 वीं शताब्दी में महाराणा प्रताप के दरबारी लेखक चक्रपाणी मिश्र का उल्लेख करते हुए कहा कि उसने "विश्व वल्लभ" ग्रन्थ लिखा। इसमें भू जल की खोज, मौसम की भविष्यवाणी, जल शुद्धिकरण, कुंड निर्माण, बावड़ियां और पर्यावरण संरक्षण की विरल जानकारिया हैं। उन्होंने कहा कि यह ग्रन्थ बागवानी, वृक्ष से संबंधित बीमारियां, उन्हें दूर करने के उपायों, कृषि वानिकी आदि की उन्नत तकनीक पर बहुत महत्वपूर्ण जानकारियां लिए है। उन्होंने कहा कि भारत की ज्ञान परम्परा की यही विशेषता रही है कि वह युगीन संदर्भों में ऐसी उपयोगी तकनीक से जुड़ी थी, जिसे आज आधुनिक विज्ञान कहा जा रहा है।

उन्होंने कहा कि भारत की प्राचीन शिक्षा प्रणाली मुख्य रूप से वैदिक परंपरा थी। हमारे यहां शिक्षा केवल पाठ्य पुस्तकों पर आधारित नहीं थी बल्कि जीवन के सर्वांगीण विकास से जुड़ी रही है। इसमें नैतिकता को सबसे अधिक प्रमुखता दी गई थी। उन्होंने कहा कि प्रभु राम ने भी गुरुकुल शिक्षा पद्धति से शिक्षा पाई। इसी से वह मर्यादा पुरुषोत्तम हुए। उन्होंने कहा कि विश्वामित्र ने दशरथ से राम को आश्रमों में राक्षसों के उत्पात से बचाने के लिए मांग लिया था। उन्होंने कहा कि विश्वामित्र ने ही सिखाया कि हिंसा का प्रतिकार कई बार जब उसी भाषा में नहीं दिया जाता तो हिंसा से ग्रस्त डरपोक समाज बनता है। हिंसा का प्रतिकार ही हमारे यहां अहिंसा का सर्वोत्तम मार्ग है।

राज्यपाल ने कहा कि अंग्रेजो ने जब देश पर शासन किया तब जो गजेटियर निकाले उनमें यह सामने आया कि हमारे देश में 8 लाख गुरुकुल थे। भारत तब बहुत बड़ा था। पाकिस्तान, म्यांमार, श्रीलंका आदि भारत में ही थे। गुरुकुल में शिक्षा निशुल्क थी। इनका खर्च आम जन के सहयोग से निकलता था। प्राचीन शिक्षा में ज्ञान मौखिक रूप में अधिक प्रचलित था। श्रुति परंपरा के साथ शिष्य ज्ञान का श्रवण करते थे। उस पर चिंतन और मनन करते थे। व्यावहारिक जीवन के लिए 18 विद्याएं और 64 कलाएं थी। इनका ज्ञान विधार्थी पाते थे। उन्होंने कहा कि गुरुकुल में समग्र ज्ञान दिया जाता था। शिक्षा कौशल से जुड़ी थी। उन्होंने रणकपुर के जैन मंदिरों का उदाहरण देते हुए कहा कि शिल्प में यह इसीलिए अद्वितीय है कि इसका निर्माण कला कौशल से हुआ था।

राज्यपाल ने कहा कि लार्ड मैकाले ने इसीलिए भारत की शिक्षा पद्धति बदली कि यहां तब नैतिकता प्रबल थी। समृद्ध विरासत थी। अंग्रेजों ने इसलिए यह तरकीब निकाली की देश की शिक्षा पद्धति यदि बदल दी जाती है तो लंबे समय तक देश को गुलाम बनाए रखा जा सकता है। इसके अंतर्गत देश के उद्योग धंधे बंद कर दिए गए। देश के निवासियों को भूखे मरने पर बाध्य किया गया।

उन्होंने महर्षि कणाद की चर्चा करते हुए कहा कि उन्होंने अणु परमाणु का ज्ञान सदियों पहले विश्व को दे दिया था परंतु आधुनिक विज्ञान में उनका नाम नहीं लिया जाता। उन्होंने कहा कि दशमलव पद्धति का ज्ञान भारत से शुरू हुआ। इसी से दुनिया में गिनती प्रारम्भ हुई। उन्होंने कहा कि पश्चिम में टुकड़ों टुकड़ों में ज्ञान देने की परम्परा है वहीं भारत आरम्भ से ही समग्र ज्ञान के विज्ञान से जुड़ा रहा। प्राचीन भारत कला, चिकित्सा, धातुविज्ञान आदि सभी में अग्रणी था। राज्यपाल ने बप्पा रावल की चर्चा करते हुए कहा कि अपने समय में उन्होंने अरबों को भारत से सौ साल के लिए खदेड़ा था। उन्होंने पाकिस्तान में पिंडी यानी विश्राम किया था।

विधानसभा अध्यक्ष श्री देवनानी ने राज्यपाल श्री बागडे से की मुलाकात

जयपुर @ जागरूक जनता। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे से मंगलवार को विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने लोकभवन पहुंचकर मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने राज्यपाल से विभिन्न विषयों पर संवाद भी किया। राज्यपाल से उनकी यह शिष्टाचार भेंट थी।

प्रधानमंत्री का 4 जुलाई को प्रस्तावित राजस्थान दौरा

राजस्थान के औद्योगिक विकास को मिलेगी नई दिशा-मुख्यमंत्री

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर/बालोतरा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रस्तावित दौरे को लेकर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने बालोतरा की पचपदरा रिफाइनरी का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने रिफाइनरी परिसर और कार्यक्रम स्थल का अवलोकन कर अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने रिफाइनरी की सीडीयू, रिफाइनरी मेन कंट्रोल रूम का निरीक्षण किया। इस दौरान अधिकारियों ने उन्हें रिफाइनरी की कार्यप्रणाली और यहां से तैयार होने वाले विभिन्न सह-उत्पादों के सैंपल दिखाकर विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने तकनीकी व्यवस्थाओं और संचालन संबंधी पहलुओं की भी जानकारी ली। साथ ही, जनसभा स्थल का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं को समय से पूरा करने के लिए निर्देश दिए।

आयोजन स्थल पर तैयारियों को लेकर अधिकारियों की ली बैठक

मुख्यमंत्री ने रिफाइनरी का निरीक्षण कर आयोजन स्थल पर प्रधानमंत्री की प्रस्तावित यात्रा की तैयारियों को लेकर अधिकारियों की बैठक भी ली। उन्होंने आयोजन स्थल के ले- आउट सहित अन्य व्यवस्थाओं का अवलोकन करते हुए अधिकारियों को सुरक्षा के विशेष इंतजाम करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि गर्मी को देखते हुए जनसभा में आमजन के लिए पेयजल, बैठने की व्यवस्था, चिकित्सा सुविधाओं का विशेष ध्यान रखा जाए, साथ ही यातायात पुलिस एवं परिवहन विभाग आपस में समन्वय कर पार्किंग की पर्याप्त व्यवस्था सुनिश्चित करें। इस दौरान अधिकारियों ने कार्यऱ म की तैयारियों को लेकर प्रस्तुतीकरण भी दिया। इस दौरान मीडिया से बातचीत में मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में राजस्थान विकास के नए आयाम स्थापित कर रहा है। प्रधानमंत्री 4 जुलाई को देश के पहले ग्रीनफील्ड एकीकृत रिफाइनरी कम पेट्रोकेमिकल कॉम्पलेक्स का शुभारंभ बालोतरा में करेंगे। इस रिफाइनरी के माध्यम से देश-प्रदेश ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनेगा। साथ ही, यह रिफाइनरी राजस्थान के औद्योगिक विकास को नई दिशा देगी।

शक्तिपीठ मां सांभरा आशापुरा के किए दर्शन

बैठक के बाद मुख्यमंत्री ने शक्तिपीठ मां सांभरा आशापुरा मंदिर पहुंचकर विधिवत पूजा-अर्चना की। उन्होंने अखंड ज्योत के दर्शन कर प्रदेश की खुशहाली और समृद्धि की कामना की। मुख्यमंत्री ने मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं का अभिवादन स्वीकार किया। इस दौरान पशुपालन मंत्री जोराराम कुमावत, उद्योग एवं वाणिज्य राज्य मंत्री के.के विश्नोई, सांसद मदन राठौड़, विधायक हमीर सिंह भायल, डॉ अरुण चौधरी, आदूराम मेघवाल सहित जनप्रतिनिधिगण, एचपीसीएल, एचआरआरएल, जिला प्रशासन व संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

'विकसित भारत- विकसित ग्राम' के संकल्प को साकार करने में अग्रणी भूमिका निभाएगा राजस्थान

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान की अध्यक्षता में भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान,नई दिल्ली में आयोजित प्रथम राष्टीय ग्रामीण विकास सम्मेलन में सहभागिता करते हुए राजस्थान के कृषि, ग्रामीण विकास और आपदा प्रबंधन मंत्री डॉ. किरोडी लाल मीणा ने राजस्थान में ग्रामीण विकास से जुड़ी प्रमुख योजनाओं की उपलब्धियों, निगरानी प्रणाली, सर्वोत्तम कार्यप्रणालियों और नवाचारों की विस्तारपूर्वक जानकारी दी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में राजस्थान "विकसित ग्राम-विकसित भारत" के संकल्प को साकार करने में अग्रणी भूमिका निभाएगा।

सम्मेलन के दौरान डॉ. मीणा ने राज्य के बेहतर समग्र विकास हेतु अपने सुझाव भी साझा किए।

सम्पादकीय

बैटरी अपशिष्ट नियमों से बढ़ सकती हैं EV की कीमतें

बैटरी अपशिष्ट प्रबंधन नियम 2022 बैटरी उत्पादकों (और आयातकों) को यह जिम्मेदारी सौंपता है कि वे पुरानी पड़ चुकी बैटरियों को एकत्रित करें, उनका पुनर्चक्रण अथवा नवीनीकरण सुनिश्चित करें और नई बैटरियों में पुनः प्राप्त सामग्रियों के उपयोग को प्रोत्साहित करें। हालांकि सोसाइटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैनुफैक्चरर्स (सायम) ने हाल ही में केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड को चेतावनी दी है कि इस प्रारूप का अनुपालन इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) की कीमतों को 3 से 5 फीसदी तक बढ़ा सकता है और औसतन 35 से 40 किलोवॉट-घंटा (केडब्ल्यूएच) बैटरी पैक की लागत में 8,000 से 25,000 रुपये तक का इजाफा कर सकता है। ऐसे समय में जब भारत में ईवी का प्रसार अभी भी सीमित है तो यात्री कारों में लगभग 2 से 3 फीसदी और दोपहिया व तीन-पहिया वाहनों में कहीं अधिक लागत बढ़ाने वाले नियम उपभोक्ताओं द्वारा इसे अपनाने की गति को धीमा कर सकते हैं। साथ ही, ये सरकार के व्यापक अकार्बनीकरण लक्ष्यों को कमजोर करने का जोखिम पैदा करते हैं।

दूसरी ओर, बैटरी निर्माता चिंतित हैं कि सबको एक ही तराजू में तौलने वाला यह अनुपालन ढांचा घरेलू बैटरी उत्पादन की व्यावसायिक व्यवहार्यता को कमजोर कर सकता है। पैनासोनिक एनर्जी इंडिया ने चेतावनी दी है कि मौजूदा नियम भारत में उसके एकमात्र ड्राई-सेल जिंक-कार्बन बैटरी निर्माण संयंत्र को बंद करने पर विवश कर सकते हैं क्योंकि अनुपालन लागत लाभ से अधिक हो सकती है और कुछ मामलों में पुनर्चक्रण की बाध्यता पुनः प्राप्त सामग्रियों के मूल्य से भी अधिक महंगी पड़ सकती है। कंपनी ने यह भी संकेत किया है कि नियम विभिन्न रसायन संरचनाओं वाली बैटरी श्रेणियों के बीच पर्याप्त भेद नहीं करते। इसके अलावा छोटे आकार की बैटरियों को एकत्र करने के लिए कोई मजबूत तंत्र भी नहीं है। वाहन क्षेत्र की चिंता यह है कि मौजूदा नियम विनिर्माताओं को आठ वर्षों के उपयोग के बाद 70 फीसदी बैटरियों को एकत्रित करना शुरू करने के लिए बाध्य करते हैं। हालांकि लीथियम आयरन फॉस्फेट बैटरियां जो किफ़ायती ईवी के लिए तेजी से पसंदीदा विकल्प बन रही हैं, वे आठ वर्षों के बाद भी अपनी मूल क्षमता का 70 से 80 फीसदी बनाए रखती हैं और वाहनों में सेवा जारी रख सकती हैं। भारत की पुनर्चक्रण नीति को जमीनी हालात और तकनीकी विकास को भी ध्यान में रखना चाहिए। इसी तरह विस्तारित उत्पादक उत्तरदायित्व (ईपीआर) प्रमाणपत्रों की कीमत को पर्यावरणीय क्षतिपूर्ति (दंड) से जोड़ने के बजाय बैटरी पुनर्चक्रण को आर्थिक रूप से व्यवहार्य बनाने के लिए आवश्यक वास्तविक राशि से जोड़ा जाना चाहिए। इससे अनुपालन लागत का अनुमान लग सकेगा और पुनर्चक्रण अधोसंरचना ढांचे में निवेश को प्रोत्साहन मिलेगा। ऐसे सुधार भारत के बैटरी पारिस्थितिकी तंत्र के विस्तार के साथ लगातार महत्वपूर्ण होते जा रहे हैं। नीति आयोग का अनुमान है कि 2030 तक उन्नत रसायन वाली बैटरियों की मांग सालाना 260 गीगावॉट-घंटा (जीडब्ल्यूएच) से अधिक हो सकती है जबकि अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी के अनुसार 2050 तक वैश्विक स्तर पर महत्त्वपूर्ण खनिजों की मांग तीन गुना से अधिक बढ़ सकती है। इसलिए इन सामग्रियों को कुशल पुनर्चक्रण के माध्यम से पुनः प्राप्त करना आयात निर्भरता को कम करने और आपूर्ति श्रृंखला के लचीलेपन को मजबूत करने के लिए एक रणनीतिक जरूरत है।

खनन गतिविधियों से पर्यावरणीय क्षति, स्थानीय समुदायों पर प्रभाव और संसाधनों के न्यायसंगत उपयोग जैसे प्रश्न लगातार उठ रहे हैं। इसलिए आवश्यक है कि विकास और पर्यावरण के बीच संतुलन स्थापित किया जाए तथा खनिज संसाधनों का उपयोग सतत और जिम्मेदार तरीके से किया जाए।

धरती के गर्भ में छिपी है भविष्य की महाशक्ति

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

आकांक्षा शर्मा
रिसर्च स्कॉलर
@jagrukjanta.net

> क्रिटिकल मिनरल्स, इंडो-मेडिटेरेनियन कनेक्टिविटी और द्वस्थ्रष्ट जैसी पहलें वैश्विक शक्ति संतुलन को नई दिशा दे रही हैं, जिसमें भारत एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाने की स्थिति में है।

21वीं सदी में वैश्विक शक्ति का स्वरूप तेजी से बदल रहा है। कभी तेल के कुओं पर नियंत्रण किसी देश की आर्थिक और सामरिक ताकत का प्रतीक माना जाता था, लेकिन आज दुनिया एक नए युग में प्रवेश कर चुकी है। अब शक्ति का केंद्र तेल नहीं, बल्कि वे खनिज हैं जो धरती के गर्भ में छिपे हुए हैं। लिथियम, कोबाल्ट, निकेल, तांबा और रेयर अर्थ एलिमेंट्स जैसे क्रिटिकल मिनरल्स भविष्य की अर्थव्यवस्था, ऊर्जा सुरक्षा और तकनीकी विकास की नींव बन चुके हैं।

आज इलेक्ट्रिक वाहन, सौर ऊर्जा संयंत्र, पवन ऊर्जा परियोजनाएं, सेमीकंडक्टर चिप्स, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) और आधुनिक रक्षा प्रणालियां इन खनिजों पर निर्भर हैं। जैसे-जैसे दुनिया जीवाश्म ईंधन से हरित ऊर्जा की ओर बढ़ रही है, वैसे-वैसे इन संसाधनों का महत्व बढ़ता जा रहा है। यही कारण है कि विश्व की बड़ी शक्तियां अब तेल क्षेत्रों की बजाय खनिज संपदा और उनकी आपूर्ति श्रृंखलाओं पर अपना प्रभाव बढ़ाने की कोशिश कर रही हैं। विशेषज्ञ इस उभरती प्रतिस्पर्धा को "नया ग्रेट गेम" कह रहे हैं। यह केवल खनिजों की उपलब्धता की लड़ाई नहीं है, बल्कि तकनीकी नेतृत्व, आर्थिक विकास और राष्ट्रीय सुरक्षा की भी प्रतिस्पर्धा है। चीन आज कई महत्वपूर्ण खनिजों के प्रसंस्करण और आपूर्ति श्रृंखला में प्रमुख भूमिका निभाता है। इसके जवाब में अमेरिका, यूरोप, जापान और भारत जैसे देश वैकल्पिक स्त्रोतों की तलाश कर रहे हैं और नई साझेदारियां विकसित कर रहे हैं। इस पूरी प्रक्रिया में एक नई भू-राजनीतिक अवधारणा उभर रही है–इंडो-मेडिटेरेनियन। यह विचार हिंद महासागर, पश्चिम एशिया और भूमध्यसागरीय क्षेत्र को एक साझा आर्थिक और रणनीतिक क्षेत्र के रूप में देखता है। आज व्यापार, ऊर्जा, डिजिटल नेटवर्क और आपूर्ति श्रृंखलाएं इन क्षेत्रों को पहले से कहीं अधिक जोड़ रही हैं।

हाल ही में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की इटली यात्रा ने भी इस बदलती वैश्विक भू-राजनीति को नई दिशा दी है। रोम में हुई वार्ताओं के दौरान भारत और इटली ने अपने संबंधों को "स्पेशल स्ट्रैटेजिक पार्टनरशिप" के स्तर तक पहुंचाने का निर्णय लिया।दोनों देशों ने वर्ष 2029 तक द्विपक्षीय व्यापार को 20 अरब यूरो तक ले जाने का लक्ष्य निर्धारित किया है, जबकि वर्ष 2024 में यह व्यापार लगभग 14.37 अरब यूरो था। वर्तमान में 800 से अधिक इतालवी कंपनियां भारत में सक्रिय हैं। दोनों देशों के बीच क्रिटिकल मिनरल्स, रक्षा, हरित ऊर्जा, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, समुद्री सुरक्षा और कनेक्टिविटी जैसे क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर सहमति बनी। विशेष रूप से भारत-मध्य पूर्व-यूरोप आर्थिक गलियारा (IMEC) और इंडो-मेडिटेरेनियन क्षेत्र को भविष्य की आर्थिक एवं रणनीतिक कड़ी के रूप में देखा गया। यह यात्रा केवल द्विपक्षीय संबंधों तक सीमित नहीं रही, बल्कि इसने यह संकेत भी दिया कि भारत और इटली मिलकर एक ऐसी आपूर्ति श्रृंखला और आर्थिक संरचना विकसित करना चाहते हैं जो भविष्य की तकनीकों, ऊर्जा सुरक्षा और क्रिटिकल मिनरल्स की बढ़ती मांग को पूरा कर सके। ऐसे समय में जब विश्व नई शक्ति-संतुलन की ओर बढ़ रहा है, मोदी की इटली यात्रा भारत की उभरती वैश्विक रणनीति और यूरोप के साथ उसके गहरे होते संबंधों का महत्वपूर्ण प्रतीक बनकर सामने आई है।

भारत-मध्य पूर्व-यूरोप आर्थिक गलियारा (IMEC) इसी बदलती सोच का महत्वपूर्ण उदाहरण है। यह परियोजना केवल माल ढुलाई का मार्ग नहीं, बल्कि भविष्य की वैश्विक कनेक्टिविटी का आधार बन सकती है। यदि क्रिटिकल मिनरल्स की आपूर्ति, हरित ऊर्जा और डिजिटल डेटा प्रवाह इसी मार्ग से संचालित होते हैं, तो इंडो-मेडिटेरेनियन क्षेत्र वैश्विक अर्थव्यवस्था का नया केंद्र बन सकता है। भारत के लिए यह अवसर अत्यंत महत्वपूर्ण है। देश इलेक्ट्रिक मोबिलिटी, हरित ऊर्जा, सेमीकंडक्टर निर्माण और डिजिटल नवाचार के क्षेत्र में तेजी से आगे बढ़ रहा है। इन सभी क्षेत्रों की सफलता सुरक्षित और विश्वसनीय खनिज आपूर्ति पर निर्भर करती है। यही कारण है कि भारत ऑस्ट्रेलिया, अफ्रीका, पश्चिम एशिया और यूरोप के साथ अपने संबंधों को मजबूत कर रहा है। भारत की यह रणनीति केवल संसाधन सुरक्षा तक सीमित नहीं है, बल्कि वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं में अपनी भूमिका को सुदृढ़ करने की भी है।

अफ्रीका भी इस नई भू-राजनीति का महत्वपूर्ण हिस्सा बनकर उभर रहा है। कांगो, जाम्बिया और अन्य अफ्रीकी देशों में कोबाल्ट, तांबा और कई महत्वपूर्ण खनिजों के विशाल भंडार हैं। दूसरी ओर यूरोप के पास उन्नत तकनीक और विनिर्माण क्षमता है, जबकि भारत के पास विशाल बाजार, कुशल मानव संसाधन और तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था है। इन क्षेत्रों के बीच सहयोग भविष्य की वैश्विक आर्थिक संरचना को नया स्वरूप दे सकता है। हालांकि, इस दौड़ के साथ कई चुनौतियां भी जुड़ी हैं। खनन गतिविधियों से पर्यावरणीय क्षति, स्थानीय समुदायों पर प्रभाव और संसाधनों के न्यायसंगत उपयोग जैसे प्रश्न लगातार उठ रहे हैं। इसलिए आवश्यक है कि विकास और पर्यावरण के बीच संतुलन स्थापित किया जाए तथा खनिज संसाधनों का उपयोग सतत और जिम्मेदार तरीके से किया जाए। आज यह स्पष्ट हो चुका है कि आने वाले दशकों में वैश्विक शक्ति का निर्धारण केवल सैन्य क्षमता या तेल भंडार से नहीं होगा। जो देश क्रिटिकल मिनरल्स, प्रौद्योगिकी और रणनीतिक कनेक्टिविटी पर मजबूत पकड़ बनाएंगे, वही नई विश्व व्यवस्था को आकार देंगे। धरती के गर्भ में छिपे ये खनिज केवल संसाधन नहीं हैं, बल्कि भविष्य की राजनीति, अर्थव्यवस्था और वैश्विक नेतृत्व की कुंजी हैं।

जनधन और यूपीआई से तो बढ़ा वित्तीय समावेशन

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

देश में महिलाओं के बैंक खातों और वित्तीय समावेशन में रिकॉर्ड बढ़त हुई है, लेकिन शेयर, बॉन्ड और म्यूचुअल फंड जैसी जटिल योजनाओं की समझ अब भी बहुत कम है

राहुल शर्मा
खगोलविद्
@jagrukjanta.net

हाल में जारी राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण (एनएफएचएस-6), 2023-24 में महिलाओं के आर्थिक सशक्तीकरण से संबंधित उत्साहजनक खबर सामने आई है। एनएफएचएस -5 (2019-21) और एनएफएचएस -6 के दरमियान चार वर्षों में काम करने वाली और नकद वेतन पाने वाली महिलाओं की हिस्सेदारी राष्ट्रीय स्तर पर 5 फीसदी अंक से अधिक बढ़कर 30.8 फीसदी हो गई है। इससे भी अच्छी बात यह रही कि इसी दौरान अपने बैंक या बचत खाता रखने और स्वयं उनका इस्तेमाल करने वाली महिलाओं की हिस्सेदारी 10 फीसदी अंक से अधिक बढ़कर 89 फीसदी हो गई है। एनएफएचएस में पुरुषों से तुलना के संदर्भ में आंकड़ों का जिक्र नहीं होता है।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के पांच वर्ष पुराने वित्तीय समावेशन सूचकांक (एफआई-सूचकांक) के आंकड़े भी तेजी से बढ़ते वित्तीय समावेशन की तरफ इशारा करते हैं। यह सूचकांक पहुंच, इस्तेमाल और गुणवत्ता जैसे तीन उप-सूचकांकों से मिलकर बना है। मार्च 2025 में समाप्त वित्त वर्ष के लिए पिछले साल जुलाई में जारी नवीनतम एफआई-सूचकांक 67 है जबकि मार्च 2021 में यह 53.9 था। इस सूचकांक को बैंकिंग, बीमा, निवेश, डाकघर बचत और पेंशन जैसे क्षेत्रों में वित्तीय समावेशन का आकलन करने के लिए शुरू किया गया था। केवल चार साल में 24.3 फीसदी की बढ़ोतरी उल्लेखनीय है। इस बढ़ोतरी में सरकार की ओर से शुरू की गई योजनाओं जैसे प्रधानमंत्री जन धन योजना, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना, प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना, अटल पेंशन योजना, प्रधानमंत्री मुद्रा योजना, आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना, महिला समृद्धि योजना, किसान क्रेडिट कार्ड और यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस आदि का महत्त्वपूर्ण योगदान रहा है। वित्तीय प्रणाली से जुड़ने वाले नागरिकों की बढ़ती संख्या भी बढ़ते वित्तीय समावेशन का सबूत है। 90फीसदी से अधिक भारतीय वयस्कों के पास बैंक खाते हैं और देश में 2.6 अरब व्यक्तिगत या निजी बैंक खाते हैं। इनमें 58 करोड़ से अधिक जन धन खाते हैं (32 करोड़ से अधिक महिलाओं के पास जन धन खाते हैं)। 57 करोड़ से अधिक मुद्रा ऋण दिए जा चुके हैं, 43 करोड़ से अधिक आयुष्मान भारत कार्ड जारी किए गए हैं, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत 4 करोड़ किसान शामिल हैं और 8 करोड़ किसान क्रेडिट कार्ड दिए गए हैं।

शेयर बाजार से जुड़े निवेशकों की संख्या भी उत्साहजनक है। 24 करोड़ से अधिक डीमैट या ट्रेडिंग अकाउंट हैं और एक से अधिक खाते (ड्युप्लिकेसी) हटाने के बाद भारतीय शेयर बाजार में 'यूनिक रजिस्टर्ड' निवेशकों की संख्या लगभग 12.7 से 13 करोड़ होगी जिनमें म्युचुअल फंड के 6 करोड़ निवेशक भी शामिल हैं। स्पष्ट है कि वित्तीय सेवाओं तक पहुंच के मामले में देश ने काफी तरक्की की है। इस्तेमाल के मामले में भी तरक्की हुई है जैसा कि बैंक खातों और बीमा पॉलिसियों से लेकर शेयर बाजार का इस्तेमाल करने वाले लोगों की बढ़ती संख्या से पता चलता है। मगर व्यापक वित्तीय साक्षरता की क्या स्थिति है? यानी आम और जटिल वित्तीय योजनाओं के बारे में हमारी जानकारी और समझ कितनी है? आरबीआई के मुताबिक मार्च 2025 में समाप्त साल के लिए एफआई-सूचकांक में सुधार तीन में से दो उप-सूचकांकों की वजह से हुआ यानी इस्तेमाल और गुणवत्ता। फिर भी जेएम फाइनैंशियल सेंटर फॉर फाइनैंशियल रिसर्च और इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट उदयपुर में 'पीपल रिसर्च ऑन इंडियाज कंज्यूमर इकनॉमी' की हालिया रिपोर्ट 'फाइनेंशियल मैच्योरिटी इंडेक्सः अ सर्वे ऑफ टू स्टेट्स' दिखाती है कि हमें गुजरात और राजस्थान में (जो क्रमशः हमारे देश के सबसे अमीर और सबसे गरीब राज्यों में एक हैं) बुनियादी योजनाओं की जानकारी के मामले में भी कितना लंबा सफर तय करना है। यह रिपोर्ट परिवारों की अलग-अलग वित्तीय अवधारणाओं और उत्पाद तक पहुंच, उनके बारे में जानकारी और उनसे जुड़ाव का पता लगाने के लिए नौ आपस में जुड़े पहलुओं के आधार पर एक वित्तीय परिपक्वता सूचकांक (एफएमआई) बनाती है। रोजमर्रा की गिनती या कीमत का हिसाब-किताब, मजदूरी से जुड़े गुणा-भाग और खरीदने की क्षमता जैसे बुनियादी वित्तीय काबिलियत वाले सूचकांक पर प्रदर्शन तो अच्छा है मगर महंगाई और चक्रवृद्धि (कंपाउंडिंग) जैसे बड़ी अवधारणाओं पर प्रदर्शन बहुत कमजोर है। मुद्रास्फीति और चक्रवृद्धि गणना वित्तीय योजनाओं और नियोजन के लिए बहुत जरूरी हैं। उदाहरण के लिए कंपाउंडिंग को ही लें। यहां तक कि उच्चतर माध्यमिक तक पढ़े-लिखे लोगों में भी आधे से कम लोग ही इसे ठीक से समझते हैं। जब बात 'जटिल वित्तीय साक्षरता' (यानी स्टॉक, म्युचुअल फंड, जीवन बीमा और बॉन्ड जैसे वित्तीय उत्पादों की बुनियादी समझ) की आती है तो गुजरात और राजस्थान में स्थिति अच्छी नहीं है। हालांकि, जीवन बीमा की समझ अच्छी है (82 फीसदी लोगों ने सही जवाब दिया) मगर बॉन्ड (24 फीसदी), स्टॉक (18 फीसदी) और म्युचुअल फंड (17 फीसदी) जैसे उत्पादों के मामले में स्थिति खराब है।

मंदिरों में वीआईपी कल्चर हो बंद, सबके लिए समान हो पंक्ति

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

नविता
वरिष्ठ पत्रकार
@jagrukjanta.net

आस्था के केंद्र मंदिरों में भगवान के दरबार में अमीर-गरीब का भेद कभी होता हैं क्या? क्या वो ईश्वर जिसने शुद्ध जल वायु पर सबका बराबर अधिकार दिया हैं वो अपने दर्शनों के लिए अमीर गरीब में भेद कर सकता हैं। इन दिनों धार्मिक स्थानों पर आम जनता का आवागमन बढ़ गया है और बहुत अधिक दर्शनार्थी होने के कारण व्यवस्थाएं बनाए रखने में संस्थानों को अतिरिक्त प्रयास करने पड़ रहे है। इन प्रयासों के बीच VIP दर्शन एक चर्चा का विषय बना हुआ है। इस मांग को लेकर देशभर में आवाज़ उठ रही है कि मंदिरों में चल रही वीआईपी दर्शन की व्यवस्था को पूरी तरह बंद किया जाए। श्रद्धालुओं का कहना है कि भगवान के घर में सब बराबर हैं, फिर इंसानों ने वहां भी पैसे और रसूख के आधार पर लाइनें क्यों बांट दीं? कई प्रख्यात और बड़े मंदिरों में 250 से 5000 रुपये तक देकर VIP/VVIP दर्शन के पास मिल जाते है। आम भक्त 4-8 घंटे लाइन में लगता है, वहीं वीआईपी मिनटों में दर्शन करके निकल जाता है। वरिष्ठ नागरिकों को कहते सुना हैं, "70 साल की उम्र में 4 घंटे खड़ा नहीं रह सकता। क्या भगवान सिर्फ पैसे वालों के हैं? हम तो दर्शन के लिए तरस जाते हैं।"

मंदिर प्रशासन का तर्क

मंदिर समितियों का कहना है कि वीआईपी दर्शन से मिलने वाले पैसे से मंदिर का रखरखाव, भंडारा और विकास कार्य होते हैं। साथ ही नेताओं, अधिकारियों की सुरक्षा भी कारण बताया जाता है।

क्या कहते हैं धर्मगुरु?

"**मंदिर** में वीआईपी कल्चर सनातन धर्म के मूल सिद्धांत के खिलाफ है। भगवान के दरबार में राजा और रंक एक समान हैं। यह व्यवस्था तुरंत बंद होनी चाहिए।"

समाधान क्या हो?

वरिष्ठ नागरिक, दिव्यांग, बच्चों के साथ महिलाओं के लिए अलग लाइन हो, पर पैसे के आधार पर नहीं, क्योंकि वृद्धजन, दिव्यांग और बच्चे इनको इनकी अवस्था के अनुरूप जल्दी दर्शन करने की व्यवस्था हो। ऑनलाइन टाइम स्लॉट बुकिंग से भीड़ नियंत्रित हो सकती है, जैसे तिरुपति में आंशिक रूप से है। कोई मशहूर, प्रतिष्ठित या ख्याति प्राप्त व्यक्ति के लिए भी आम समय के बाद विशेष दर्शन हो, आम भक्तों का समय न मारा जाए। सुप्रीम कोर्ट भी 2018 में कह चुका है कि मंदिरों में वीआईपी दर्शन भेदभाव है। कई राज्यों में पुरी जगन्नाथ मंदिर और सिद्धिविनायक मंदिर ने वीआईपी दर्शन बंद भी किए हैं। आस्था का केंद्र अगर पैसो से जोड़ा जाएगा तो आम आदमी का विश्वास उस को स्थान के प्रति डगमगा जाएगा। जरूरत है कि मंदिर समितियां और सरकार मिलकर ऐसी व्यवस्था बनाएं जहां शबरी के बेर खाने वाले राम के दरबार में सबको बराबर दर्शन मिले।

संस्मरण: यूरोप यात्रा- 4

पानी पर तैरता इतिहास: रोमांच और कौतूहल का शहर 'वेनिस'

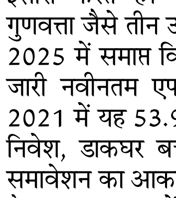

मन्जु माहेश्वरी
पत्रकार
@jagrukjanta.net

इटली के उत्तर-पूर्व में स्थित वेनिस मध्यकाल से ही इतिहास का एक अद्भुत केंद्र रहा है। इसे 'पानी पर तैरता शहर', 'फ्लोटिंग सिटी ऑफ़ द गोल्ड' और 'नहरों का शहर' जैसे कई खूबसूरत नामों से पहचाना जाता है। वास्तव में यह शहर 126 से भी अधिक छोटे-छोटे द्वीपों पर बसा है, जिनके बीच से नहरें रास्ता बनाती हैं। ये द्वीप आपस में 400 से अधिक पुलों के जरिए जुड़े हुए हैं। वेनेटो क्षेत्र की इस खूबसूरत राजधानी की सबसे बड़ी खासियत यह है कि यहाँ घूमने के लिए आपके पास सिर्फ दो ही विकल्प हैं-या तो पैदल पुलों को पार कीजिए या फिर नाव की सवारी का आनंद लीजिए।

इंजीनियरिंग का अनोखा चमत्कारः कैसे टिका है पानी पर यह शहर?

वेनिस दुनिया के उन गिने-चुने शहरों में से एक है, जहाँ कार, बस, बाइक या टैक्सी का नामोनिशान नहीं है। यहाँ की सड़कें पानी की नहरें हैं, जिन पर काले रंग की पारंपरिक नावें-जिन्हें गोंडोला कहा जाता है, तैरती नजर आती हैं। ऐसे में मन में यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि आखिर सदियों से पानी के बीच खड़ी ये विशाल इमारतें, चर्च और पुल ढहे क्यों नहीं? यह कोई जादू नहीं, बल्कि प्राचीन इंजीनियरिंग का एक बेजोड़ नमूना है-

- » **हमलावरों से बचने की जुगत:** 5वीं और 6वीं शताब्दी में जब रोमन साम्राज्य का पतन हुआ, तब बाहरी आक्रमणकारियों के हमलों से बचने के लिए लोग सुरक्षित स्थान की तलाश में इस दलदली क्षेत्र में आए और अस्थायी बसेरा बना लिया।
- » **लकड़ी के खंभों की नींव:** लोगों ने करीब 6-7 मीटर नीचे मौजूद सख्त जमीन तक लकड़ी के बड़े-बड़े और मजबूत लट्ठों को गाड़कर पुल और मकान बनाए।
- » **हवा की अनुपस्थिति का फायदा:** पानी के भीतर ऑक्सीजन न होने के कारण इन लकड़ियों में सड़न नहीं पैदा हुई। समय के साथ पानी और मिट्टी के संपर्क में आकर ये लकड़ी के तने पत्थर की तरह सख्त हो गए।
- » **अस्थायी से स्थायी सफर:** 9वीं से 14वीं सदी के बीच वेनिस एशिया और यूरोप के बीच समुद्री व्यापार का सबसे बड़ा केंद्र बन गया। जब यहाँ मसाले, रेशम और आभूषणों का कारोबार बढ़ा, तो लोगों ने लकड़ी के ढांचों को ईंट और पत्थरों की बहुमंजिला आलीशान इमारतों में तब्दील कर दिया।

वेनिस से जुड़े कुछ दिलचस्प और अनूठे तथ्य

क्या आप जानते हैं? दुनिया का सबसे पहला कसीनो साल 1638 में इसी वेनिस शहर में खोला गया था।

- » **दुनिया की सबसे संकरी गलियाँः** वेनिस की गलियों को दुनिया की सबसे पतली और संकरी गलियों में गिना जाता है।
- » **मुखौटों का शहरः** यहाँ का 'कार्निवल फेस्टिवल' दुनिया भर में प्रसिद्ध है, जिसमें लोग रंग-बिरंगे मुखौटे पहनते हैं। हमारी भारतीय फिल्मों में मुखौटों का जो चलन दिखता है, उसकी प्रेरणा काफी हद तक यहीं से आई है।
- » **वस्त्र संहिताः** यहाँ के ऐतिहासिक और धार्मिक स्थलों पर बिना आस्तीन के कपड़े या शॉर्ट्स पहनकर जाने पर सख्त पाबंदी है।
- » **मीठे पानी का संकटः** चारों तरफ समंदर के खारे पानी से घिरे होने के कारण यहाँ पीने के पानी की बड़ी समस्या थी। तब यहाँ के इंजीनियरों ने खाली द्वीपों पर बारिश का पानी इकट्ठा कर, उसे फिल्टर करने की तकनीक विकसित की।

वेनिस के प्रमुख पर्यटन आकर्षण

- » **ग्रैंड कैनालः** शहर की सबसे बड़ी नहर, जो वेनिस शहर को अंग्रेजी के 'एस' के आकार में दो भागों में बांट देती है।
- » **सेंट मार्क बेसिलिकाः** सेंट मार्क स्क्वायर पर स्थित प्राचीन ऐतिहासिक चर्च। सोने के मोजेक के कारण इसे 'स्वर्ण चर्च' भी कहते हैं।
- » **सेंट मार्क कैम्पेनिल (घंटाघर):** बेसिलिका के सामने 98.6 मीटर ऊंचा घंटाघर, जहां से पूरे शहर का 360 डिग्री अद्भुत नजारा दिखता है।
- » **डॉगे पैलेसः** सेंट मार्क स्क्वायर के पास गोथिक वास्तुकला से निर्मित राजाओं का निवास स्थान।
- » **पियाजा सैन मार्को :** वेनिस का प्रसिद्ध चौराहा। यहां बैठकर कैफे और जीवन माहौल का आनंद लें। नेपोलियन ने इसे 'यूरोप का बैठक कक्ष' कहा था।
- » **रियाल्टो ब्रिजः** ग्रैंड कैनाल पर बने 4 पुलों में से सबसे प्राचीन। यहां स्थानीय बाजार से खरीदारी कर सकते हैं।

एक चिंताजनक सच

जहाँ एक ओर वेनिस की खूबसूरती हर साल लाखों पर्यटकों को अपनी तरफ आकर्षित करती है, वहीं दूसरी ओर इस शहर पर एक बड़ा खतरा मंडरा रहा है। ग्लोबल वार्मिंग और बढ़ते जलस्तर के कारण यह ऐतिहासिक शहर हर साल 1 से 2 मिलीमीटर पानी में डूब रहा है। फिलहाल, वैज्ञानिक और इंजीनियर 'मोसे बैरियर' जैसी अत्याधुनिक तकनीक लगाकर शहर को डूबने से बचाने की हरसंभव कोशिश कर रहे हैं, ताकि वक्त के थपेड़ों के बीच वेनिस कहीं सिर्फ इतिहास के पन्नों या किताबों की बात बनकर न रह जाए।

पंचांग

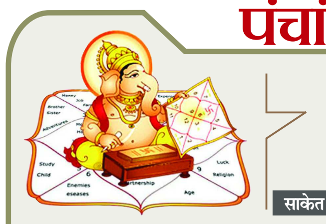

ज्योतिर्विद्
अक्षय शास्त्री

साकेत पंचांग, अन्तरराष्ट्रीय स्वर्ण पदक विजेता

जागरूक जनता पंचांग, नक्षत्र, तिथि, चौघड़िया

सूर्योदय-सूर्यास्त, तिथि

बुधवार, 01/07/2026

सूर्योदय : 05:40 **सूर्यास्त** : 19:20 **चन्द्रोदय** : 20:41 **चन्द्रास्त** : 06:26 **शक सम्वत** : 1948 पराभव **विक्रम संवत्** : 2083 सिद्धार्थी **अमान्ता महीना** : ज्येष्ठ **पूर्णिमांत** : आषाढ़ा **सूर्य राशि** : मिथुन **चन्द्र राशि** : धनु **पक्ष** : कृष्ण **तिथिः** प्रतिपदा, 07:38 तक **वार** : बुधवार **द्रिक ऋतु** : वर्षा **द्रिक अयन** : दक्षिणायन **कलियुग** : 5127 वर्ष

नक्षत्र, योग, करण

नक्षत्र : पूर्वाषाढ़ा, 06:43 तक
योग : इंद्र, 15:53 तक
प्रथम करण : कौवाला, 07:38 तक
द्वितीय करण : तैतिल, 20:38 तक

शुभ समय

ब्रह्म मुहूर्त	04:06 ए एम से
प्रातः सन्ध्या	04:26 ए एम से
अभिजित मुहूर्त	कोई नहीं
विजय मुहूर्त	02:44 पी एम से
गोधूलि मुहूर्त	07:22 पी एम से
सायाह्न सन्ध्या	07:23 पी एम से
अमृत काल	2:21 ए एम, जुलाई 2 से
निशिता मुहूर्त	12:5 ए एम, जुलाई 2 से

निवास और शूल

दिशा शूल : उत्तर में

राहु काल वास दक्षिण-पश्चिम में

होमाहुति : चन्द्र-मंगल

चन्द्रवासः पूर्व-दक्षिण

चौघड़िया

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया
लाभ	: 06:41 - 08:09	उद्वेग : 18:30 - 20:01
अमृत	: 08:09 - 09:38	शुभ : 20:01 - 21:32
काल काल वेला	: 09:38 - 11:07	अमृत : 21:32 - 23:03
शुभ	: 11:07 - 12:35	चर : 23:03 - 00:35
रोग वार वेला	: 12:35 - 14:04	रोग : 00:35 - 02:06
उद्वेग	: 14:04 - 15:32	काल : 02:06 - 03:37
चर	: 15:32 - 17:01	लाभ : 03:37 - 05:08
लाभ	: 17:01 - 18:30	उद्वेग : 05:08 - 06:40

अमृत, शुभ, लाभ और चर को शुभ चौघडिया माना जाता है एवं उदवेग, काल एवं रोग को अशुभ चौघडिया माना जाता है।

आज प्रतिपदा

आज कौन सा कार्य करें

प्रतिपदा को विवाह, यात्रा, व्रतबंध, प्राण प्रतिष्ठा, चूड़ा कर्म, वास्तु कर्म, गृह प्रवेश आदि मंगल कार्य बिलकुल भी नहीं करने चाहिए।

बुधवार को क्या करें

बुधवार की प्रकृति चर और सौम्य मानी गई है। यह भगवान गणेश और दुर्गा का दिन है। कमजोर मस्तिष्क वालों को बुधवार के दिन उपवास रखना चाहिए।

ये कार्य करें :- सूखे सिंदूर का तिलक लगाएं। बुधवार को दुर्गा के मंदिर जाना चाहिए। पूर्व, दक्षिण और नैऋत्य दिशा में यात्रा कर सकते हैं। इस दिन जमा किए गए धन में बरकत रहती है। मंत्रणा, मंथन और लेखन कार्य के लिए भी यह दिन उचित है। ज्योतिष, शेयर, दलाली जैसे कार्यों के लिए भी यह दिन शुभ माना गया है।

यह कार्य न करें:- उत्तर, पश्चिम और ईशान में यात्रा न करें। बुधवार को धन का लेन-देन नहीं करना चाहिए। बुधवार को लड़की की माता को सिर नहीं धोना चाहिए, ऐसा करने से लड़की का स्वास्थ्य बिगड़ता है या उसके समक्ष कोई कष्ट आता है।

नोट : शुक्ल पक्ष में एक से पंचमी तक तिथियां अशुभ कही गई हैं, क्योंकि इन तिथियों में चंद्रमा क्षीण बल होता है और चंद्र बल उन दिनों नहीं रहने से कार्य सफल नहीं होते हैं। इसी प्रकार कृष्ण पक्ष की एकादशी से अमावस्या तक तिथियों में चंद्र बल क्षीण होने से शुभ कार्य नहीं करने चाहिए।

राशिफल

ज्येष्ठ, कृष्ण, प्रतिपदा, 2083 बुधवार, 1 जुलाई - 7 जुलाई, 2026

मेष [चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ]
लम्बित मामलों के परिणाम आपके पक्ष में होने की सम्भावना है। व्यवसाय में सहयोगी आपके कार्यों से प्रसन्न रहेंगे। निर्माण कार्यों में आपको सफलता मिलेगी। कार्यक्षेत्र में कुछ बदलाव कर सकते हैं।

तुला [रा, री, रू, रे, रो, ता, ती, तू, ते]
संतान से पुराने मतभेद उभरने से पारिवारिक वातावरण अशान्त होगा। आर्थिक स्थिति बिगड़ने से कर्ज लेना पड़ सकता है। कार्य क्षेत्र पर आरंभिक बिक्री के बाद आज उदासीनता छायी रहेगी।

वृषभ [ई,उ, ए, ओ, वा, वी, वु, वे, वो]
व्यापार में जिम्मेदारियाँ बढ़ सकती है। आपकी कर्तव्यनिष्ठा की प्रशन्सा होगी। मित्रों का सहयोग लेना हितकारी होगा। जो लोग आपके विरुद्ध थे, वे अचानक आपके पक्ष में आ सकते हैं।

वृश्चिक [तो,ना,नी, नू,या,यी,यू]
नौकरी पेशाओ को अतिरिक्त कार्य मिलने से असुविधा होगी काम लापरवाही से करेंगे। मित्रो के साथ बाहर घूमने का अवसर मिलेगा। ससुराल से लाभ होगा। पारिवारिक दायित्व बढ़ने से व्यस्तता रहेगी।

मिथुन [क, की,कु,घ, ड,छ,के,को,ह]
विदेश में कार्यरत लोगों को सम्मान मिल सकता है। व्यवसाय में रुके हुये कार्यों में सफलता मिलेगी। जॉब में बदलाव करने का विचार बनायेंगे। प्रेम सम्बन्धों में कुछ प्रतिकूलता रहेगी।

धनु [ये, यो, भा, भी, भू, धा, फ, ढ, भे]
नौकरीपेशा जातको को मेहनत का फल मिलेगा। विरोधियो पर विजय प्राप्त करेंगे। शुभ समाचार मिलने से मन प्रसन्न रहेगा। साहित्यकार, लेखक एवं पत्रकारों के लिए सप्ताह विशेष लाभदायक रहेगा।

कर्क [हि, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो]
कार्य क्षेत्र या घर में परिवर्तन अथवा साज सज्जा में बदलाव भी कर सकते है समाज के प्रतिष्ठित लोगो से सम्मान मिलेगा लेकिन आर्थिक लाभ थोड़ा विलम्ब से होगा। दाम्पत्य सुख उत्तम रहेगा।

मकर [भो, जा,जी, जू, खा, खू, गा, गी,]
परिजनों के साथ मित्रवत व्यवहार रहेगा। पारिवारिक दायित्वों की पूर्ति के कारण खर्च बढ़ने से असहज अनुभव करेंगे। उधार से बचे। सेहत ठीक रहेगी। आलस्य का वातावरण रहेगा।

सिंह [मा, मी, मू, मे, मो, टा, टी, टु, टे]
व्यवहार कुशलता व संतोषि स्वभाव से सम्मानित होंगे। उधारी वसूलने में परेशानी आ सकती है। घर में मेहमानों के आने से वातावरण आनंदित होगा। पारिवारिक खर्च बढ़ने से परेशानी भी होगी।

कुंभ [गू, गे, गो,सा, सी, सू, से, सो, दा]
नए कार्यो का आरंभ आज ना करें ना ही किसी को उधार दें। इसके बाद परिवार के सदस्यों का सहयोग मिलने लगेगा लेकिन घरेलू आवश्यकताओं को नजरअंदाज करने से अशांति बढ़ेगी।

कन्या [टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो]
मित्र परिजनों के साथ ज्यादा समय बिताना पसंद करेंगे। फिजूल खर्ची से बचें। शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा रहने से सप्ताह उत्साह पूर्ण रहेगा।

मीन [दी, दू, थे, झ, ञ, दे, दो, चा, चि]
आर्थिक लाभ के लिए अधिक प्रयत्न करना पड़ेगा मध्यान के समय किसी मनोकामना की पूर्ति होने से प्रसन्न रहेंगे।

आचार्य राजेश शास्त्री, जयपुर

ब्रह्मांड में 6 ग्रहों की अवस्था परिवर्तन से दिखेगी सामाजिक, प्राकृतिक और राजनीतिक हलचल

ग्रहों का महापरिवर्तन, बदलेंगे समय के समीकरण

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। जुलाई 2026 ज्योतिषीय दृष्टि से वर्ष के सबसे महत्वपूर्ण महीनों में से एक रहने वाला है। श्री साकेत पंचांग के ज्योतिषाचार्य अक्षय शास्त्री ने बताया कि जुलाई माह में आकाश मंडल में छह प्रमुख ग्रह अपनी चाल, राशि और अवस्था में परिवर्तन करेंगे। इन ग्रह परिवर्तनों का प्रभाव केवल व्यक्तिगत जीवन तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि मौसम, कृषि, राजनीति, प्रशासन, व्यापार, अर्थव्यवस्था और जनजीवन पर भी व्यापक रूप से देखने को मिलेगा। उनके अनुसार जुलाई में बनने वाले ग्रह योग आने वाले समय की दिशा और दशा तय करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

माह की शुरुआत 4 जुलाई को शुक्र के सिंह राशि में प्रवेश से होगी। इसके बाद 7 जुलाई को बुध मिथुन राशि में गोचर करेंगे। 16 जुलाई को सूर्य कर्क राशि में प्रवेश करेंगे, 18 जुलाई को देवगुरु बृहस्पति अस्त होंगे, 24 जुलाई को बुध मार्गी होंगे तथा 26 जुलाई को कर्मफलदाता शनि वक्री अवस्था में प्रवेश करेंगे। एक ही माह में होने वाले इन छह प्रमुख ग्रह परिवर्तनों के कारण जुलाई पूरे वर्ष का सबसे महत्वपूर्ण ज्योतिषीय महीना माना जा रहा है। अक्षय शास्त्री ने बताया कि जुलाई के प्रथम सप्ताह में विशेषकर राजस्थान सहित उत्तर-पश्चिम भारत में मानसून की गति कुछ धीमी रह सकती है। इसके बाद मध्य एवं अंतिम सप्ताह में वर्षा की गतिविधियों में तेजी आएगी तथा कई क्षेत्रों में अच्छी और कहीं-कहीं भारी वर्षा होने के योग बनेंगे। कृषि, जल संसाधनों और मौसम के स्वरूप पर भी इसका व्यापक प्रभाव देखने को मिलेगा।

मौसम एवं मानसून

सूर्य के कर्क राशि में प्रवेश तथा अन्य ग्रहों की स्थिति के कारण मानसून की चाल में परिवर्तन देखने को मिलेगा। जुलाई के पहले सप्ताह में वर्षा की गति अपेक्षाकृत धीमी रहेगी, जबकि बाद के सप्ताहों में कई राज्यों में भारी वर्षा और जलभराव जैसी परिस्थितियां बन सकती हैं। कृषि क्षेत्र और खरीफ फसलों पर भी इसका सीधा प्रभाव पड़ेगा।

राजनीति एवं प्रशासन

शनि की वक्री चाल तथा सूर्य-बुध के प्रभाव से शासन-प्रशासन में महत्वपूर्ण निर्णय, नीतिगत बदलाव, राजनीतिक हलचल और प्रशासनिक फेरबदल के संकेत मिल रहे हैं। न्यायिक मामलों, सरकारी व्यवस्थाओं और नीतियों से जुड़े बड़े निर्णय भी इस अवधि में चर्चा का विषय बन सकते हैं।

व्यापार, बाजार एवं अर्थव्यवस्था

बुध के गोचर, गुरु के अस्त तथा ग्रहों की बदलती स्थिति का असर शेयर बाजार, सर्राफा बाजार, व्यापार और निवेश पर दिखाई देगा। सोना-चांदी सहित अनेक वस्तुओं के दामों में उतार-चढ़ाव बना रहेगा। व्यापारियों और निवेशकों को सोच-समझकर निर्णय लेने की आवश्यकता रहेगी।

जनजीवन, करियर एवं आध्यात्मिक प्रभाव

शुक्र और बुध का प्रभाव युवाओं, विद्यार्थियों, कलाकारों और व्यापारियों के लिए नए अवसर लेकर आएगा। वहीं गुरु के अस्त होने से लोगों का रुझान धर्म, अध्यात्म और आत्मचिंतन की ओर बढ़ेगा। शनि की वक्री चाल के कारण कई कार्यों में अपेक्षा से अधिक परिश्रम करना पड़ सकता है, लेकिन धैर्य और अनुशासन सफलता का मार्ग प्रशस्त करेंगे।

जुलाई के प्रमुख ग्रह परिवर्तन

- 4 जुलाई- शाम 7:14 बजे शुक्र का सिंह राशि में प्रवेश।
- 7 जुलाई- सुबह 10:47 बजे बुध का मिथुन राशि में गोचर।
- 16 जुलाई- रात्रि 11:39 बजे सूर्य का कर्क राशि में प्रवेश।
- 18 जुलाई-सुबह 10:25 बजे देवगुरु बृहस्पति अस्त।
- 24 जुलाई-प्रातः 4:27 बजे बुध मार्गी।
- 26 जुलाई- रात्रि 1:28 बजे शनि वक्री।

ग्रहों की रहेगी उठापटक

अक्षय शास्त्री ने बताया कि जुलाई माह में ग्रहों की स्थिति लगातार बदलती रहेगी। एक ग्रह के परिवर्तन के बाद दूसरे ग्रह की चाल और अवस्था में बदलाव से नए-नए ज्योतिषीय योग बनेंगे और समाप्त होंगे। इन परिवर्तनों का प्रभाव समय-समय पर मौसम, राजनीति, अर्थव्यवस्था, व्यापार, कृषि और जनजीवन पर दिखाई देगा। मेष, मिथुन, सिंह, तुला और धनु राशि के जातकों के लिए यह माह शुभ एवं प्रगतिकारक रहेगा, जबकि वृषभ, कर्क, कन्या, वृश्चिक, मकर, कुंभ और मीन राशि के जातकों को मिश्रित परिणाम प्राप्त होंगे। कार्यों में धैर्य, संयम और सोच-समझकर निर्णय लेने से सफलता मिलेगी तथा ग्रहों के शुभ प्रभाव का लाभ प्राप्त होगा। श्री साकेत पंचांग के प्रधान संपादक एवं ज्योतिषाचार्य पं. जगदीश प्रसाद शर्मा ने बताया कि जुलाई 2026 केवल ग्रह परिवर्तन का महीना नहीं, बल्कि बदलते समय के नए संकेतों का महीना भी सिद्ध होगा। वहीं ज्योतिषाचार्य अक्षय शास्त्री ने कहा कि एक ही माह में छह प्रमुख ग्रहों के परिवर्तन से बनने वाले विविध ग्रहयोगों का प्रभाव अलग-अलग राशियों के साथ-साथ मौसम, व्यापार, राजनीति, प्रशासन और सामाजिक जीवन पर भी स्पष्ट रूप से दिखाई देगा। ग्रहों की बदलती चाल के कारण जुलाई का महीना पूरे वर्ष का सबसे प्रभावशाली और महत्वपूर्ण ज्योतिषीय कालखंड माना जा रहा है।

महिला मानसिक स्वास्थ्य विषयक वाद विवाद प्रतियोगिता आयोजित

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। वूमेन मेंटल हेल्थ स्पेशलिटी सेक्शन, इंडियन साइकाइट्रिक समिति (IPS), गौतम हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर एवं मेंटल हेल्थ फाउंडेशन जयपुर के संयुक्त तत्वाधान से 24 जून को गौतम अस्पताल के सभागार में महिला मानसिक स्वास्थ्य विषय पर वाद विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में विभिन्न विश्वविद्यालयों, एमिटी यूनिवर्सिटी, आई आई एस यूनिवर्सिटी, अपेक्स यूनिवर्सिटी के करीब 90 छात्र छात्राओं ने भाग लिया। प्रतियोगिता में महिलाओं के व्यक्तित्व की विकृति को किस प्रकार सही तरीके से समझा जा सकता है तथा मानसिक स्वास्थ्य से जुड़े सोशल मीडिया के इनफ्लुएंसर को किस प्रकार महिला सशक्तिकरण से जोड़ा जाए इन विषयों पर विद्यार्थियों ने अपने अपने विचार रखे। कार्यक्रम की शुरुआत में एमेरिटस प्रोफेसर डॉ शिव गौतम ने महिलाओं को मानसिक रूप से सशक्त होने की बात पर कहते हुए कहा कि वर्तमान परिस्थितियों में मानसिक रूप से सशक्त महिला ही ना केवल स्वयं अपितु परिवार व समाज को भी बेहतर दिशा में ले जा सकती है। प्रतियोगिता के निर्णायक के रूप में डॉ सुशीला पारीक एवं डॉ मनीषा गौड़ ने प्रतियोगियों की सृजनशीलता व सही मुद्दों व तार्किक भागीदारी की सराहना की। गौतम हॉस्पिटल की सीईओ राजश्री गौतम ने स्वरचित कविता के साथ नारी की महिमा के बारे में बताया एवं नारी का सशक्तिकरण हमारे समाज के लिए कितना महत्वपूर्ण है इसके बारे में बात की। डॉ अनीता गौतम ने सभी आगंतुको का, छात्र-छात्राओं को धन्यवाद ज्ञापित किया।

अनिता को पीएचडी की उपाधि

जयपुर @ जागरूक जनता। अनिता खण्डेलवाल को ज्योति विद्यापीठ महिला विश्वविद्यालय, जयपुर से हिन्दी विषय में पी-एच.डी. की उपाधि प्राप्त कर परिवार का नाम रोशन किया है। उनकी इस उपलब्धि पर परिजनों में खुशी का माहौल है। अनिता ने अपना शोध प्रबंध 'यशपाल शर्मा एवं भीष्म साहनी की कहानियों में नारी चरित्र का तुलनात्मक अध्ययन' विषय पर मुख्य मार्गदर्शक डॉ आनंद राय के निर्देशन में पूर्ण किया है।

भारद्वाज के नूतन गृह प्रवेश पर हाथोज धाम महाराज ने दी शुभकामनायें

जयपुर @ जागरूक जनता। विप्र समाज के प्रिये रामबाबू भारद्वाज के नानू नगर मुरलीपुरा वाले नूतन गृह प्रवेश के अवसर पर, बालाजी धाम हाथोज चित्र, 'अनुकरणीय आदर्श प्रभु श्री राम' पुस्तक, राधाकृष्ण प्रतिमा माला भेट कर नूतन निवास में परिवार के साथ सुख समृद्धि रहे ऐसी शुभकामनाओ के साथ कार्यक्रम में बालाजी धाम हाथोज के महंत बाल मुकान्दाचार्य जी,जय हिन्द शुभकामना ग्रुप जयपुर संयोजक नगेन्द्र वशिष्ठ,विप्र समाज पूर्व अध्यक्ष दीपक शर्मा, वीरेन्द्र शर्मा, नेता बजरंग शर्मा आदी प्रेमी जनों के साथ उपस्थित होने का अवसर मिला।

योगांश गुप्ता ने जीता स्केटिंग में कांस्य पदक

जयपुर @ जागरूक जनता। द प्लेइंगि नेस्ट, आर्दश विधा मंदिर अंबाबाडी विधाधर नगर जयपुर में दिनांक 28 जून 2026 को हुई प्रतियोगिता में विधाधर नगर जे. पी. कॉलोनी के 10 वर्षीय मास्टर योगांश गुप्ता पुत्र कमल गुप्ता ने बेहतरीन प्रर्दशन से कांस्य पदक जीतकर क्षेत्र ओर क्लब का नाम रोशन किया। योगांश ने बताया कि इस खेल में अधिक से अधिक अभ्यास कर अपने प्रर्दशन का राज्य व राष्ट्रीय स्तर तक लेकर जाएंगे।

विद्याधर नगर सेक्टर 5 विकास समिति निर्विरोध

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। विद्याधर नगर सेक्टर 5 विकास समिति के दो वर्षीय 2027-28 के लिए नई कार्यकारिणी का चुनाव संपन्न हुआ। चुनाव में राजेश अग्रवाल अध्यक्ष, हनुमान सहाय जाट महामंत्री, मदन लाल गुप्ता कोषाध्यक्ष, कमलेश शर्मा संयुक्त मंत्री पद के लिए निर्विरोध निर्वाचित हुए। उपाध्यक्ष पद के लिए अशोक सहरिया, विनय गुप्ता एवं मुकेश सहरिया निर्वाचित हुए। कार्यकारिणी सदस्य पदो के लिए अभिषेक अग्रवाल, वीरेंद्र अग्रवाल, अरुण कुमार बंसल, राम अवतार शर्मा, मनोज कुमार खंडेलवाल, अरुण कुमार अग्रवाल, हरिश सहरिया, रवि सामोदिया, रमेश चंद गोयल, राजेश भाला, पवन अग्रवाल, श्याम सुंदर अग्रवाल, महेंद्र मित्तल, दिनेश गुप्ता, रमेश चौधरी, सुमित अग्रवाल, अनिल बंसल, राजेश धामाणी, अखिलेश छीपा व रौनक ढाणीवाला निर्वाचित घोषित किए गए।

3 जुलाई से शुरू होगी पवित्र श्री अमरनाथ यात्रा

जयपुर @ जागरूक जनता। 3 जुलाई से पवित्र श्री अमरनाथ यात्रा शुरू होगी। 28 अगस्त रक्षाबंधन तक बाबा बर्फानी की यात्रा चलेगी। जयपुर से 100 से अधिक जत्थे रवाना होंगे। बड़े जत्थों में 100 से 300 श्रद्धालु शामिल होंगे।

विकल्प इंडिया सोसाइटी के दूध-शरबत कार्यक्रम में उमड़े राहगीर

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। विकल्प इंडिया सोसाइटी जयपुर द्वारा निर्जला एकादशी के अवसर पर अमृत सेवा शिविर दूध-शरबत का वितरण किया गया। विकल्प इंडिया सोसाइटी के अध्यक्ष संजय कटारा ने बताया कि बियानी गर्ल्स कॉलेज चौराहा पर दूध शरबत का शिविर लगाकर स्थानीय निवासियों एवं राहगीरों को सेवा प्रदान की गई। शिविर में 5000 से अधिक व्यक्तियों को दूध शरबत का वितरण किया गया। आयोजन के दौरान अनेक समाजसेवियों ने शिविर में उत्साहवर्धन किया। दामोदरदास अजमेरा, राकेश अग्रवाल, अमित चोटिया, गिरिराज गर्ग, पत्रकार शिवदयाल मिश्रा, विष्णु प्रताप सिंह, मुकेश खंडेलवाल, हेमलता कटारा, प्रियंका अग्रवाल, दिनेश कावट, हरिओम चौहान, नीलम कुमावत के अलावा अनेक प्रबुद्धजनों ने कार्यक्रम में शिरकत की।

किसान और जवान देश के प्राण तंत्र, खेती लाभकारी हो, यही संकल्प

मार्केटिंग लिंक से किसानों को मिलेगा देश के बड़े बाजारों तक सीधा पहुंच मार्ग

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर/कोटा। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के मार्गदर्शन एवं निर्देशों की पालना में कोटा में प्राकृतिक खेती विषयक भव्य किसान कार्यशाला का आयोजन किया गया। आयोजित कार्यशाला में लगभग एक हजार किसानों ने भाग लेकर प्राकृतिक खेती, कम लागत में उच्च गुणवत्ता वाली खेती, बेहतर उत्पादन, कृषि विपणन, पशुपालन तथा उद्यानिकी के माध्यम से आय बढ़ाने की आधुनिक तकनीकों की जानकारी प्राप्त की। इस अवसर पर प्राकृतिक खेती पर आधारित पुस्तक का विमोचन किया गया तथा कृषि क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले किसानों का सम्मान भी किया गया।

प्राकृतिक खेती भारत की विरासत, समय की मांग

कार्यशाला में ओम बिरला ने कहा कि खेत में किसान और सीमा पर जवान देश के प्राण हैं। वे हाड़ौती के किसानों के जीवन स्तर में सुधार लाने तथा खेती को लाभकारी व्यवसाय बनाने के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रहे हैं और इसे साकार करके रहेंगे। उन्होंने कहा कि प्राकृतिक खेती भारत की प्राचीन विरासत रही है तथा धरती की उर्वरा शक्ति, मानव स्वास्थ्य, जैव विविधता और पर्यावरण संतुलन बनाए रखने के लिए रासायनिक उर्वरकों के अत्यधिक उपयोग को कम करना आज समय की आवश्यकता है।

खेती को मिलेगा व्यवसाय का स्वरूप

लोकसभा अध्यक्ष ने कहा कि हाड़ौती की जलवायु, उपजाऊ भूमि एवं भरपूर जल उपलब्धता इसे प्राकृतिक खेती के लिए देश के चुनिंदा क्षेत्रों में शामिल करती है। उन्होंने कहा कि किसानों को केवल पारंपरिक खेती तक सीमित न रहकर बहुफसली खेती, उद्यानिकी, फल उत्पादन, मधुमक्खी पालन एवं पशुपालन को भी अपनाना चाहिए ताकि खेती लाभकारी व्यवसाय बन सके।

सिंचाई परियोजनाः खेतों तक पहुंचेगा पानी

उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की किसान हितैषी सोच का उल्लेख करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री ने गुजरात में सिंचाई का आदर्श मॉडल विकसित किया तथा देशभर में वर्षों से लंबित लगभग 99 सिंचाई परियोजनाओं को गति देकर किसानों के खेतों तक पानी पहुंचाने का कार्य किया। उन्होंने विश्वास दिलाया कि ईआरसीपी एवं परवन जैसी महत्वपूर्ण सिंचाई परियोजनाएं भी शीघ्र पूर्ण होंगी, जिससे किसानों को स्थायी लाभ मिलेगा।

बढ़ेगी किसानों की आय

बिरला ने कहा कि हाड़ौती में पशुपालन की असीम संभावनाएं हैं। पशुपालन प्राकृतिक खेती का भी मजबूत आधार है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक तहसील एवं पंचायत स्तर पर कोल्ड स्टोरेज विकसित करने की दिशा में कार्य किया जाएगा ताकि पशुओं के लिए हरा चारा सुरक्षित रखा जा सके। उन्होंने कहा कि मदर डेयरी एवं सरस डेयरी के साथ समन्वय स्थापित कर पशुपालकों का दूध, फल एवं सब्जियां उचित मूल्य पर खरीदी जाना सुनिश्चित किया जाएगा जिससे किसानों को उनकी उपज का बेहतर दाम मिल सके और उनकी आय में निरंतर वृद्धि हो।

जयपुर पहुंचने पर मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा का हुआ भव्य स्वागत

शेखावाटी की धरती उगलेगी सोना, जल्द मिलेगा पानी

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा जयपुर पहुंचे. दिल्ली दौरे से मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा लौटे हैं. सीएम भजनलाल शर्मा ने कहा कि राजस्थान-हरियाणा के बीच ऐतिहासिक यमुना जल समझौता हुआ. दिल्ली से लौटने पर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का भव्य स्वागत हो रहा है. मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा रामबाग सर्किल पहुंचे. मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने अपने संबोधन में कहा कि शेखावाटी के लोगों की मेहनत और ताकत को मैं जानता हूं. आने वाले समय में शेखावाटी में पानी की कमी नहीं रहेगी. शेखावाटी की धरती सोना उगलेगी. शेखावाटी को जल्द ही पानी मिलेगा. कांग्रेस ने कभी इस मुद्दे को हल नहीं किया. वादे करके मुकर जाना कांग्रेस पार्टी का काम है.

दिल्ली से लौटने पर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का जगह जगह भव्य स्वागत हुआ. इससे पहले कनोडिया कॉलेज पहुंचने पर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का स्वागत किया गया. मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने प्रदेश की जनता की ओर से PM मोदी को शुभकामनाएं दी. सीएम भजन लाल शर्मा ने कहा कि आने वाले समय में शेखावाटी में पानी की कमी नहीं रहेगी. इससे पहले मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा जयपुर एयरपोर्ट पहुंचे. मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा दिल्ली दौरे से लौटे हैं. कल राजस्थान-हरियाणा के बीच ऐतिहासिक यमुना जल समझौता हुआ. दिल्ली से लौटने पर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का भव्य स्वागत हुआ. स्वागत-अभिनंदन कार्यक्रम में ष्टरू भजनलाल शर्मा ने संबोधित किया. पर्यटकों के घूमने-फ़िरने की जगहें मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राजस्थान में सबसे ज्यादा आवश्यकता पानी की है. राजस्थान में उद्योगों और किसानों को पानी की जरूत है. हमारे लिए 29 जून का दिन ऐतिहासिक है. सीएम भजन लाल शर्मा ने कहा कि कांग्रेस ने कभी इस मसले को हल नहीं किया. इस समझौते से राजस्थान की प्यासी धरती को पानी मिलेगा.हमने विकसित राजस्थान का रोडमैप बनाया. सीएम भजन लाल शर्मा ने कहा कि हम घोषणा पत्र से ज्यादा काम करेंगे. मैं गृह मंत्री अमित शाह, जल शक्ति मंत्री सीआर पाटिल और हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी को धन्यवाद देता हूं. राजस्थान ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनने की ओर अग्रसर है. मैं प्रदेश की जनता की ओर से पीएम मोदी को शुभकामनाएं देता हूं.

जून का महीना बीता, मानसून का काउंटडाउन शुरू

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। राजस्थान में प्री-मानसून की बारिश का दौर थमने के बाद पिछले कुछ दिनों से पारा चढ़ा हुआ है. तापमान 40 से 45 डिग्री तक होने के चलते कई जिले भीषण गर्मी की चपेट में हैं. अब मानसून का इंतजार है और प्रदेशवासियों का इंतजार जल्द ही खत्म होने वाला है. मौसम विभाग के मुताबिक, मानसून का काउंटडाउन शुरू हो गया है. पिछले 24 घंटों में प्रतापगढ़ के अरनोद में सर्वाधिक 94 मिमी वर्षा दर्ज की गई. वहीं, अगले 3ङ्4 दिनों तक तेज आंधी के साथ बारिश का दौर जारी रह सकता है, जिसमें हवाओं की गति 50 से 60 किलोमीटर प्रति घंटा तक पहुंचने की संभावना है।

बन रही अनुकूल स्थिति

मौसम विभाग के अनुसार, 2 जुलाई से प्रदेश में बारिश की गतिविधियां तेज होने की संभावना है. जबकि अगले 2-3 दिनों में मानसून की आधिकारिक एंट्री हो सकती है. दक्षिण-पूर्वी राजस्थान में इसके लिए अनुकूल परिस्थितियां बन रही हैं. पूर्वानुमान के मुताबिक, जयपुर, भरतपुर, कोटा और बीकानेर संभाग में हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है. जबकि जोधपुर और बीकानेर में फिलहाल उमस भरी गर्मी से राहत मिलने की उम्मीद नहीं है.

300 से ज्यादा बांध सूखे

वहीं, इस साल मानसून की धीमी शुरुआत ने जल संकट के संकेत भी दिए हैं. कुल 693 बांधों में उनकी कुल क्षमता का केवल 44.22% पानी ही उपलब्ध है, जो पिछले साल इसी अवधि में 46.59% था. इनमें से 307 बांध पूरी तरह से सूख चुके हैं, 381 आंशिक रूप से भरे हैं और केवल 5 छोटे बांध ही पूरी तरह लबालब हो पाए हैं. जल संसाधन विभाग की 23 जून की ताजा रिपोर्ट के अनुसार, 23 प्रमुख बड़े बांधों में फिलहाल 56.09% पानी मौजूद है.

इस हफ्ते हो सकती है मध्यम से भारी बारिश

मौसम विभाग के अनुसार, दक्षिण पश्चिम मानसून की उत्तरी सीमा इस समय गुजरात, मध्यप्रदेश, झारखंड, बिहार के कुछ भागों से होकर गुजर रही है. अगले 2-3 दिन में गुजरात, मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड के कुछ भागों में मानसून के आगे बढ़ने के लिए परिस्थितियां अनुकूल हैं. विभाग के मुताबिक, कोटा और उदयपुर संभागों में कुछ भागों में आगामी दिनों में कहीं-कहीं मध्यम से तेज बारिश होने की संभावना है. 3 से 5 जुलाई तक पूर्वी राजस्थान के कुछ और भागों में बारिश की गतिविधियों में बढ़ोतरी और कहीं-कहीं मध्यम से भारी बारिश हो सकती है।

सवाईमाधोपुर एसपी ज्येष्ठा मैत्रेयी की पहल पर शुरू हुआ 'अक्षय फंड'

वर्दी का वादाः संकट में परिवार के साथ खड़ी रहेगी पुलिस

पुलिसकर्मी के आकस्मिक निधन पर परिजनों को तत्काल 3 लाख की सहायता

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। पुलिस की वर्दी केवल कानून-व्यवस्था बनाए रखने का प्रतीक नहीं है, बल्कि उसके पीछे ऐसे हजारों परिवारों का विश्वास, त्याग और धैर्य भी जुड़ा होता है, जो हर दिन अपने प्रियजन को समाज की सुरक्षा के लिए समर्पित करते हैं। ऐसे में यदि किसी पुलिसकर्मी के साथ कोई अप्रत्याशित घटना घट जाए तो सबसे बड़ा आघात उसके परिवार पर पड़ता है। इसी मानवीय संवेदना को केंद्र में रखते हुए सवाई माधोपुर की पुलिस अधीक्षक सुश्री ज्येष्ठा मैत्रेयी ने पुलिस कल्याण की दिशा में एक ऐसी पहल की है, जो संवेदनशील पुलिसिंग का प्रेरक उदाहरण बनकर उभरी है। उनके नेतृत्व में शुरू किया गया 'अक्षय फंड' अब संकट की घड़ी में पुलिस परिवारों के लिए एक मजबूत आर्थिक संबल बनेगा।

एक संवेदनशील सोच से मिली नई शुरुआत

पुलिस संगठन अपने कर्मियों को केवल सहकर्मी नहीं, बल्कि एक परिवार मानता है। इसी भावना को और सशक्त बनाने के उद्देश्य से 'अक्षय फंड' की स्थापना की गई है। यह पहल इस विश्वास को मजबूत करती है कि पुलिसकर्मी चाहे किसी भी परिस्थिति में हों, उनका परिवार कभी अकेला नहीं रहेगा।

कांस्टेबल कुंजीलाल की स्मृति से जन्मी पहल

एसपी ज्येष्ठा मैत्रेयी ने बताया कि हाल ही में सवाई माधोपुर पुलिस लाइन में कार्यरत कांस्टेबल कुंजीलाल के आकस्मिक निधन ने पूरे पुलिस परिवार को भावुक कर दिया। इस घटना ने यह आवश्यकता महसूस कराई कि ऐसी परिस्थितियों में पीड़ित परिवार को तत्काल आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने के लिए एक स्थायी और व्यवस्थित व्यवस्था होनी चाहिए। इसी विचार ने 'अक्षय फंड' का स्वरूप लिया। उन्होंने बताया कि वर्तमान में जिले में लगभग 1400 पुलिसकर्मी कार्यरत है और अनुमानतः 16 लाख रुपया इस फंड में एकत्र हो सकता है।

सहयोग से तैयार होगा सुरक्षा कवच

एसपी ज्येष्ठा मैत्रेयी की पहल पर सवाईमाधोपुर जिला पुलिस के अधिकारियों एवं कर्मचारियों के 1 दिन के वेतन के स्वैच्छिक अंशदान से फंड का गठन किया जाएगा। यह सहयोग अपने साथी और परिवार के प्रति अपनत्व, उत्तरदायित्व और एकजुटता का जीवंत उदाहरण है।

संकट की घड़ी में मिलेगा तत्काल सहारा

'अक्षय फंड' के माध्यम से यदि किसी पुलिसकर्मी का आकस्मिक निधन होता है, तो उसके परिजनों को 3 लाख की आर्थिक सहायता तत्काल उपलब्ध कराई जाएगी। यह सहायता शोकाकुल परिवार को कठिन समय में प्रारंभिक आर्थिक राहत प्रदान करेगी और उन्हें यह भरोसा दिलाएगी कि उनका पुलिस परिवार हर परिस्थिति में साथ खड़ा है।

आत्मनिर्भर व्यवस्था, दीर्घकालिक सुरक्षा

इस योजना की सबसे बड़ी विशेषता इसकी व्यावहारिक और आत्मनिर्भर कार्यप्रणाली है। फंड बनने के बाद जब तक उसकी राशि सहायता के रूप में उपयोग नहीं हो जाती, तब तक किसी भी कार्मिक के वेतन से पुनः कटौती नहीं की जाएगी।

हाईवे पर एक ही जगह मिलेगी पेट्रोल-रिपेयरिंग से शॉपिंग तक की सुविधाएं

राजस्थान में भी 40 से 60 किमी के बीच बनेंगे सेंटर्स

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। देश के राष्ट्रीय राजमार्गों और एक्सप्रेस-वे पर सफर करने वाले यात्रियों को जल्द ही पेट्रोल भरवाने या वाहन की मरम्मत के लिए अलग-अलग स्थानों की तलाश नहीं करनी पड़ेगी, बल्कि हाईवे पर विकसित किए जा रहे वे-साइड एमेनिटी सेंटर यात्रियों की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए बहुउद्देश्यीय सुविधा केंद्र के रूप में काम करेंगे।

देश में नेशनल हाईवे और एक्सप्रेस-वे का नेटवर्क लगातार बढ़ रहा है। इन मार्गों पर वे-साइड एमेनिटी यानी सड़क किनारे उपलब्ध कराई जाने वाली सुविधाओं को और बेहतर बनाने पर जोर दिया जा रहा है। भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) ने इस दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया है। एनएचएआइ की कंपनी नेशनल हाईवे लॉजिस्टिक्स मैनेजमेंट लि. ने सभी क्षेत्रीय कार्यालयों को निर्देश जारी करते हुए कहा है कि जहां जरूरत हो वहां वे-साइड एमेनिटी सेंटर विकसित किए जाएं। इन केंद्रों में वाहन चालकों को अनेक सुविधाएं एक साथ उपलब्ध कराई जाएंगी।

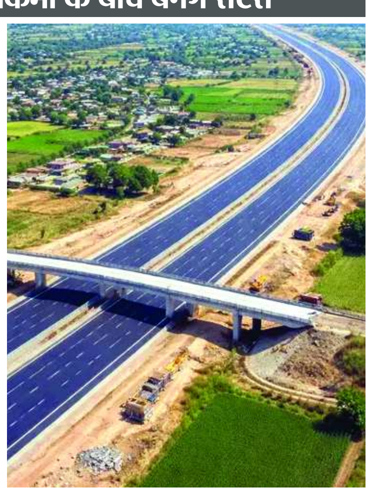

700 से ज्यादा वे-साइड एमेनिटी सेंटर विकसित होंगे

राजस्थान समेत देशभर में 700 से अधिक वे-साइड एमेनिटी विकसित करने की योजना पर काम चल रहा है। इनमें से 134 केंद्र पहले ही चालू हो चुके हैं, जबकि अन्य स्थानों पर निर्माण और विकास कार्य जारी है। इन केंद्रों का उद्देश्य यात्रियों को सुरक्षित, सुविधाजनक और आरामदायक यात्रा अनुभव उपलब्ध कराना है। इन सेंटरों में पेट्रोल पंप, वाहन मरम्मत की सुविधा, भोजनालय, विश्राम स्थल, शौचालय, पार्किंग और अन्य आवश्यक सेवाएं उपलब्ध होंगी। राजस्थान में भी ये सेंटर्स बनाए जाएंगे जो 40 से 60 किलोमीटर के बीच स्थापित होंगे। हाईवे पर वाहन खराब होने की स्थिति में मरम्मत सुविधा मिलने से परेशानी कम होगी। साथ ही यात्रियों को तत्काल सहायता और बेहतर सुविधाएं मिलेंगी।

दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे पर पहले से मिल रही हैं सुविधाएं

दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे पर पहले से इस तरह की सुविधाएं मिल रही हैं। इनमें और बढ़ोतरी की जा सकती है। इस एक्सप्रेस-वे से गुजरने वाले यात्रियों को भोजन के अलावा शॉपिंग व पेट्रोल पंप की सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। जगह-जगह रेस्ट हाउस बने हुए हैं, जहां यात्री थकान मिटा सकते हैं। इसके अलावा स्वच्छ शौचालय, पेयजल, पार्किंग और आपातकालीन सहायता जैसी सुविधाएं भी उपलब्ध हैं। लंबे सफर के दौरान चालक और यात्री यहां कुछ समय रुककर आराम कर सकते हैं। भविष्य में इन केंद्रों पर बच्चों के मनोरंजन, स्थानीय उत्पादों की बिक्री और बेहतर खानपान की अतिरिक्त सुविधाएं विकसित करने की भी योजना बनाई जा सकती है जिससे यात्रा और अधिक सुविधाजनक और आरामदायक बन सके।

द्रव्यवती नदी पर बनेगा 36 किमी. लंबा 6 लेन एलिवेटेड रोड

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। राजधानी जयपुर की ट्रैफिक व्यवस्था में बड़ा बदलाव लाने की तैयारी शुरू हो गई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि द्रव्यवती नदी पर 36 किलोमीटर लंबा एलिवेटेड रोड बनाया जाएगा। इसके बाद जयपुर शहर में कहीं भी आने-जाने में दिक्कत नहीं होगी। अगले वर्ष अपनी स्थापना के ऐतिहासिक 500 वर्ष पूरे करने जा रहे सांगानेर को आधुनिकता के साथ-साथ सांस्कृतिक भव्यता देने की बड़ी कवायद शुरू हो गई है। द्रव्यवती नदी के बहाव क्षेत्र में प्रस्तावित एलिवेटेड रोड की डिटेल प्रोजेक्ट रिपोर्ट (डीपीआर) बनाने का काम जुलाई के पहले सप्ताह में शुरू हो जाएगा। जेडीए अधिकारियो की मानें तो टेंडर प्रक्रिया पूरी हो चुकी है। जल्द ही कार्यादेश जारी कर दिया जाएगा। डीपीआर बनाने में 5.5 करोड़ रुपए खर्च होंगे। मजार डैम से लेकर गोनेर से आगे रिंग रोड तक के हिस्से का सर्वे करवाया जाएगा।

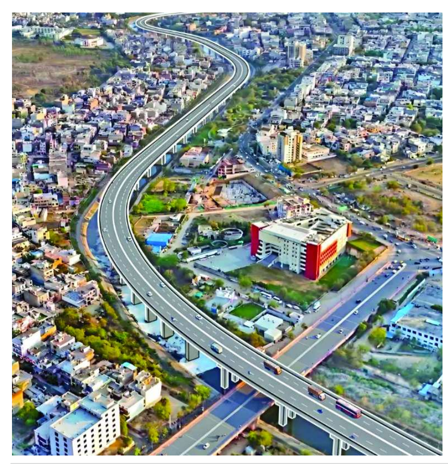

प्रोजेक्ट पर छह हजार करोड़ रुपए होंगे खर्च

करीब 36 किलोमीटर लंबा छह लेन एलिवेटेड रोड बनाया जाएगा। इस प्रोजेक्ट पर करीब छह हजार करोड़ रुपए खर्च होने का अनुमान है। सिंगल पिलर तकनीक पर बनने वाला यह एलिवेटेड रोड शहर के प्रमुख यातायात कॉरिडोरों को आपस में जोड़ेगा। इसके बनने से सीकर रोड, अजमेर रोड और टोंक रोड के बीच निर्बाध आवागमन संभव होगा। शहर के एक हिस्से से दूसरे हिस्से तक जाने के लिए लोगों को भीड़भाड़ वाले चौराहों और मुख्य मार्गों पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा।

ये प्रमुख कार्य भी होंगे

जयपुर-भीलवाड़ा रोड के मुहाना मोड जंक्शन पर 124 करोड़ की लागत से बनने वाले फ्लाईओवर, बंबाला क्षेत्र में सीवरेज कार्य के लिए 88 करोड़ रुपए से एसटीपी, पृथ्वीराज नगर में सैटेलाइट अस्पताल और भांकरोटा में ट्रोमा सेंटर के निर्माण की नींव रखी गई। सड़क, सामुदायिक भवन, सीवर लाइन, पार्क, नालों का निर्माण, मोक्षधाम, मंदिर, स्कूल-स्वास्थ्य केंद्रों से जुड़े कार्यों का शुभारंभ। सीवरेज सफाई के लिए सुपर सकर मशीन तथा स्वच्छ सर्वेक्षण-2026 के प्रति जनजागरुकता के लिए वाहनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। प्रदेश में पहली बार जयपुर में कचरा उठाने की 5 अत्याधुनिक मैकेनिकल लिटर पिकर मशीनें लाई गई हैं, जो फुटपाथों, संकरी गलियों और ट्रांसफार्मर के नीचे से भी प्रभावी ढंग से कचरा उठाएंगी।

631 करोड़ रुपए के 1531 विकास कार्यों का लोकार्पण और शिलान्यास

सांगानेर की ऐतिहासिक विरासत और धार्मिक पहचान को अक्षुण्ण रखने के लिए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने क्षेत्र के संघी जी जैन मंदिर और सांगा बाबा मंदिर सहित कुल 115 प्रमुख धार्मिक स्थलों के सौंदर्याकरण और जीर्णोद्वार की नींव रखी है। इस कायाकल्प पर करीब 50 करोड़ रुपए खर्च किए जाएंगे। बुधवार को आयोजित एक भव्य समारोह में मुख्यमंत्री ने सांगानेर विधानसभा क्षेत्र के लिए कुल 631 करोड़ रुपए के 1531 विकास कार्यों का लोकार्पण और शिलान्यास किया।

आसाराम की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने राजस्थान सरकार को जारी किया नोटिस, दो हफ्ते में मांगा जवाब

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को 2013 के नाबालिग से दुष्कर्म मामले में दोषी ठहराए गए आसाराम की याचिका पर सुनवाई करते हुए राजस्थान सरकार को नोटिस जारी किया है। सुप्रीम कोर्ट ने राज्य सरकार से दो सप्ताह के भीतर जवाब दाखिल करने को कहा है। साथ ही, सुप्रीम कोर्ट ने फिलहाल आसाराम को अंतरिम जमानत देने से इनकार कर दिया है। यह याचिका राजस्थान हाईकोर्ट के 27 मई के उस फैसले को चुनौती देती है, जिसमें निचली अदालत द्वारा सुनाई गई आजीवन कारावास की सजा को बरकरार रखा गया था। हालांकि हाईकोर्ट ने अपने निर्णय में कुछ सह-आरोपियों को बरी कर दिया था और गैंगरेप तथा पॉक्सो एक्ट के कुछ प्रावधानों से आसाराम को भी राहत दी थी लेकिन नाबालिग के साथ दुष्कर्म के मामले में दोषसिद्धि को कायम रखा गया था।

अतिरिक्त मुख्य सचिव ने विद्यालय भवनों की सुरक्षा, मरम्मत और निर्माण कार्यों को लेकर दिए आवश्यक निर्देश

बच्चों की सुरक्षा सर्वोपरि, विद्यालय भवनों की गहन जांच सुनिश्चित करें- एसीएस

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। प्रारम्भिक शिक्षा विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव राजेश कुमार यादव ने मंगलवार को शासन सचिवालय में आयोजित उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक में राज्य के सभी राजकीय विद्यालयों के भवनों की सुरक्षा, मरम्मत कार्यों, निर्माणाधीन परियोजनाओं तथा विद्यार्थियों की सुरक्षा व्यवस्था की विस्तृत समीक्षा करते हुए अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि विद्यार्थियों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है और किसी भी स्थिति में जर्जर अथवा असुरक्षित भवनों का उपयोग नहीं किया जाए।

बैठक में एसीएस यादव ने निर्देश दिए कि पूर्व में चिन्हित जर्जर विद्यालय भवनों के साथ-साथ वर्तमान में उपयोग में लिए जा रहे सभी विद्यालय भवनों की पुनः गहनता से जांच कराई जाए। प्रत्येक भवन की सुरक्षा का भौतिक सत्यापन सुनिश्चित किया जाए तथा सुरक्षा संबंधी सभी मानकों और नियमों की पूर्ण पालना की जाए। उन्होंने कहा कि जो भवन या कक्ष किसी भी दृष्टि से असुरक्षित पाए जाएं, उन्हें तत्काल प्रभाव से लॉक किया जाए, बैरिकेडिंग कर उपयोग से बाहर किया जाए तथा उनकी यथास्थिति की विस्तृत रिपोर्ट पुनः प्रस्तुत की जाए।

यादव ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि विद्यालय भवनों के मरम्मत कार्यों एवं नवीन भवनों के निर्माण कार्यों को निर्धारित समय-सीमा में गुणवत्ता के साथ पूर्ण किया जाए। उन्होंने कहा कि इन कार्यों के लिए पर्याप्त वित्तीय स्वीकृति जारी की जा चुकी है, इसलिए कार्यों में किसी प्रकार की अनावश्यक देरी नहीं होनी चाहिए।

बैठक में शिक्षा विभाग की विभिन्न प्रमुख योजनाओं, गतिविधियों एवं अन्य महत्वपूर्ण विषयों की भी विस्तार से समीक्षा की गई। अतिरिक्त मुख्य सचिव ने कहा कि विद्यालयों के आधारभूत ढांचे को सुदृढ़ बनाने के लिए शिक्षा विभाग सहित सभी संबंधित विभागों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करना होगा, जिससे योजनाओं का लाभ समयबद्ध रूप से विद्यार्थियों तक पहुंच सके।

उन्होंने बताया कि बजट घोषणाओं के अंतर्गत वर्ष 2025-26 में राज्यभर में 2,000 से अधिक विद्यालयों से संबंधित विकास एवं निर्माण कार्य पूर्ण किए जा चुके हैं। वहीं वर्ष 2026-27 में लगभग 550 करोड़ रुपये की लागत से विभिन्न निर्माण एवं विकास कार्य कराए जाएंगे। इसके अतिरिक्त विद्यालयों के विकास के लिए भामाशाहों, कॉर्पोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी (सीएसआर) तथा अन्य उपलब्ध मदों से भी सहयोग एवं वित्तीय संसाधनों का उपयोग किया जाएगा, ताकि राज्य के सभी सरकारी विद्यालयों में आवश्यक विकास एवं आधारभूत सुविधाओं के कार्य प्रभावी ढंग से कराए जा सकें।

बैठक में राज्य परियोजना निदेशक एवं आयुक्त डॉ. रश्मी शर्मा, प्रारम्भिक शिक्षा विभाग के निदेशक सीताराम जाट, संयुक्त सचिव महेंद्र कुमार खिंची, अतिरिक्त राज्य परियोजना निदेशक-II अशोक कुमार मीणा, अधीक्षण अभियंता गिरिराज गुप्ता सहित विभाग के अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

आज से वीबी-जी रामजी का समय प्रातः 9 बजे से सायं 5 बजे तक

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। विकसित भारत गारंटी फॉर रोजगार एवं आजीविका मिशन (ग्रामीण) के अंतर्गत वीबी-जी रामजी अधिनियम, 2025 के प्रावधानों के अनुसार 1 जुलाई से कार्य का समय प्रातः 9 बजे से सायं 5 बजे तक रहेगा, दोपहर 1 बजे से 2 बजे तक विश्राम काल रहेगा। जयपुर जिला परिषद की मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्रीमती प्रतिभा वर्मा ने बताया कि यदि कोई श्रमिक समूह निर्धारित समय से पूर्व निर्धारित टास्क का काम पूरा कर लेता है तो वह कार्य की माप मेट के पास उपलब्ध मस्टररोल में अंकित टास्क प्रपत्र में दर्ज कराने तथा समूह के मुखिया के हस्ताक्षर करवाने के उपरांत कार्यस्थल छोड़ सकेगा। उन्होंने बताया कि संबंधित मेट निर्धारित समय तक कार्यस्थल पर उपस्थित रहेगा। इस नई व्यवस्था में श्रमिकों को निर्धारित टास्क में किसी प्रकार की कमी नहीं की गई है।

सरिस्का में पर्यटन सुविधाओं का होगा विस्तार

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

अलवर। राजस्थान में अलवर जिले के सरिस्का बाघ अभयारण्य में पर्यटकों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए सरिस्का प्रशासन ने विकास कार्यों की रफ्तार तेज कर दी है। क्षेत्रीय निदेशक संग्राम सिंह कटियार ने यहां बताया कि पर्यटकों की सुविधा और पर्यटन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से कई महत्वपूर्ण योजनाओं पर काम किया जा रहा है। सबसे बड़ा प्रस्ताव बफर क्षेत्र में नया प्रवेश द्वार बनाने का है, जहां वर्तमान में सबसे अधिक बाघ नजर आते हैं। बजट स्वीकृत होते ही नए द्वार का निर्माण शुरू किया जाएगा।

34 साल पहले फर्जी मार्कशीट से हासिल की थी नौकरी

30 जून को रिटायरमेंट, 29 को नौकरी से हाथ धो बैठा टीचर

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

बांसवाड़ा। राजस्थान के सरकारी शिक्षक की सेवानिवृत्ति से एक दिन पहले बर्खास्तगी हो गई. बांसवाड़ा जिले में कार्यरत शिक्षक लक्ष्मीनारायण रिटायरमेंट का इंतजार कर रहा था, लेकिन इससे पहले ही शिक्षा विभाग ने उसके खिलाफ एक्शन ले लिया. साल 1992 में जिले के बागीदौरा ब्लॉक में लक्ष्मीनारायण की नियुक्ति हुई थी. अब 34 साल बाद खुलासा हुआ है कि उसने फर्जी दस्तावेज के आधार पर नौकरी हासिल की थी. मामला सामने आने के बाद विभाग ने बर्खास्त कर दिया.

शिक्षक ने दी थी फर्जी मार्कशीट

राजस्थान संपर्क पोर्टल पर शिक्षक के खिलाफ शिकायत दर्ज की गई थी। जिला परिषद ने माध्यमिक शिक्षा बोर्ड अजमेर और संबंधित विभागों को शिकायत की जानकारी दी। फिर मामले की पड़ताल शुरू हुई और सामने आया कि नियुक्ति के समय प्रस्तुत मार्कशीट फर्जी थीं. लक्ष्मीनारायण ने सेकेंडरी, हायर सेकेंडरी और एसटीसी परीक्षा के फर्जी दस्तावेज पेश किए थे।

थर्ड डिवीजन पास, फर्स्ट डिवीजन बताकर ली नौकरी

जांच में खुलासा हुआ कि शिक्षक सेकेंडरी और हायर सेकेंडरी परीक्षाओं में थर्ड डिवीजन से पास हुआ था। जबकि नियुक्ति के लिए प्रस्तुत दस्तावेजों में फर्स्ट डिवीजन बताया। शिक्षा विभाग (बीकानेर) के पास एसटीसी परीक्षा का कोई रिकॉर्ड ही उपलब्ध नहीं मिला, जिससे दस्तावेजों के फर्जी होने की बात सामने आई।

29 जून को बर्खास्तगी का आदेश जारी

जिला स्थापना समिति की बैठक में प्रकरण पर मंथन हुआ. फर्जीवाड़े की पुष्टि होने के बाद राजस्थान पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 91(3) के तहत कार्रवाई शुरू की गई. विभाग ने लक्ष्मीनारायण को 29 जून को तत्काल प्रभाव से राजकीय सेवा से बर्खास्त करने का निर्णय लिया गया. जबकि अगले ही दिन यानी 30 जून को रिटायरमेंट था. जिला परिषद के अधिकारियों ने बताया कि शिक्षक के दस्तावेजों में फर्जीवाड़े की बात सामने आने के बाद पड़ताल की. सरकारी सेवा में फर्जी दस्तावेजों के आधार पर नियुक्ति किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं की जाएगी. सरकारी नियुक्तियों में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए कदम उठाया गया है.

पुरोहित का बास में डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा का अनावरण

डॉ. अंबेडकर ने संविधान के माध्यम से सभी वर्गों को समान अधिकार-बैरवा

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

सीकर। उपमुख्यमंत्री प्रेमचंद बैरवा द्वारा पुरोहित का बास में संविधान निर्माता भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा का अनावरण किया गया। उपमुख्यमंत्री प्रेमचंद बैरवा ने डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा का अनावरण करते हुए कहा कि समाज का निर्माण समता, स्वतंत्रता, बंधुता और न्याय के मूल सिद्धांतों पर होना चाहिए। बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर ने संविधान के माध्यम से सभी वर्गों को समान अधिकार प्रदान करने का कार्य किया।

उन्होंने कहा कि जिस समाज के हाथ में किताब आ जाती है, उसकी बेड़िया अपने आप कट जाती है। बाबा साहेब की प्रतिमा हमें प्रेरणा देगी और लाइब्रेरी युवाओं को दिशा प्रदान करेगी। उन्होंने कहा कि सीकर वीरों और शहीदों की भूमि है, जिसने सैनिक, शिक्षक, वैज्ञानिक और उद्योगपति दिए हैं। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर का जीवन युवाओं के लिए प्रेरणा का स्त्रोत है। उनके विचारों को अपनाकर ही समता, स्वतंत्रता, बंधुता और न्याय पर आधारित समाज का निर्माण किया जा सकता है। बाबा साहेब की प्रतिमा केवल एक स्मारक नहीं, बल्कि समाज को प्रेरणा देने वाला प्रतीक है।

कार्यक्रम में राज्यसभा सांसद घनश्याम तिवाड़ी, सीकर विधायक राजेंद्र पारीक, खाजूवाला विधायक डॉ. विश्वनाथ मेघवाल, पूर्व सांसद स्वामी सुमेधानंद सरस्वती, पूर्व विधायक सीकर रतनलाल जलधारी, सांगलिया धूनी पीठाधीश्वर ओमदास महाराज सहित जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे। इस अवसर पर प्रतिभा सम्मान समारोह आयोजित कर प्रतिभाओं को सम्मानित किया गया। साथ ही भामाशाहों का भी सम्मान किया गया। कार्यक्रम के दौरान 100 सीट की लाइब्रेरी निर्माण के लिए भूमि पूजन भी किया गया।

विधानसभा अध्यक्ष देवनानी ने की शहरी सेवा शिविरों समीक्षा

पात्र व्यक्ति को तय समय सीमा में दे पट्टा

अजमेर उत्तर को मिलेगी चार नई सड़कों की सौगात

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

नई सड़कों की मिलेगी सौगात

अजमेर विकास प्राधिकरण की समीक्षा के दौरान विधानसभा अध्यक्ष ने नोसर से चौरसियावास होते हुए पृथ्वीराज नगर तक नई सड़क, टेलीफोन एक्सचेंज चौराहे से चामुंडा तिराहा, वरुण सागर तिराहा से खरेखड़ी मार्ग तथा भैरूवाड़ा-माकड़वाली-नागौर हाईवे तक प्रस्तावित नई सड़कों के प्रस्तावों की जानकारी ली। देवनानी ने जयपुर की हिंगोनिया गौशाला की तर्ज पर अजमेर नगर निगम के कांजी हाउस गौशाला के संचालन के लिए एमओयू की प्रक्रिया को गति देने, वर्षा ऋतु से पूर्व सभी नालों की सफाई, अवैध ठेलों के संचालन पर प्रभावी कार्रवाई तथा सावित्री कॉलेज से विजय लक्ष्मी पार्क एवं नागफणी तिराहे सहित रुके हुए नालों के निर्माण कार्य, आनंद नगर, विकासपुरी, शांतिपुरा एवं एलआईसी कॉलोनी की क्षतिग्रस्त सड़कों के पेंचवर्क, पुरानी मंडी के सार्वजनिक शौचालय के निर्माण कार्य शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए।

जयपुर। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने नगर निगम एवं अजमेर विकास प्राधिकरण को निर्देश दिए हैं कि राज्य सरकार द्वारा आमजन को राहत देने के लिए शुरू किए गए शहरी सेवा शिविरों में प्रत्येक पात्र व्यक्ति को तय समय सीमा में पट्टा व अन्य सुविधाओं का लाभ दिया जाए। देवनानी की अनुशंसा पर अजमेर विकास प्राधिकरण द्वारा दो अहम सड़कों के प्रस्ताव तैयार किए गए हैं। इनके साथ ही दो अन्य सड़कों का भी चौड़ाईकरण करवाया जाएगा।

विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने एडीए एवं नगर निगम आयुक्त श्रीमती नित्या के. सहित अन्य अधिकारियों के साथ शहरी सेवा शिविरों व अन्य मुद्दों पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार ने आमजन के हितों के लिए शहरी सेवा शिविर शुरू किए हैं। इनका पूरा लाभ आमजन को मिलना चाहिए। प्रत्येक पात्र आवेदन को निर्धारित समय सीमा में पट्टा व अन्य सुविधाओं का लाभ मिले।

उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी विकास कार्य गुणवत्ता के साथ निर्धारित समय सीमा में पूरे किए जाएं तथा आमजन से जुड़े मामलों का त्वरित समाधान सुनिश्चित किया जाए। बैठक में नगर निगम से संबंधित विभिन्न विषयों पर विस्तार से चर्चा हुई। श्री देवनानी ने शिवाजी महाराज की प्रतिमा को वीर उद्यान में स्थापित करने के लिए कार्य की प्रगति की जानकारी ली। उन्होंने वरुण सागर में भगवान झूलेलाल की प्रतिमा स्थापना, शहरी सेवा शिविरों की सतत मॉनिटरिंग तथा कच्ची बस्तियों के नियमन एवं पात्र परिवारों को प्राथमिकता के आधार पर पट्टे वितरण की समीक्षा की। बैठक में काजीपुरा, रावत नगर, भैरू खेजड़ा के पास, पीपली चौक, न्यू गोटा कॉलोनी, कृष्णा विहार, वरूण सागर रोड़ की कॉलोनियों में नियमित सफाई व्यवस्था, नागफणी तिराहे एवं बधिर विद्यालय के पास, सीवरेज चैंबर की स्थायी समस्या के समाधान, कचहरी रोड स्थित एलिवेटेड रोड (रामसेतु) के नीचे बनने वाले जिग-जैग डिवाइडर में व्यापारियों के सुझावों को शामिल करने के निर्देश भी दिए। उन्होंने ई-बस सेवा के संचालन की तैयारियों की भी समीक्षा की।

उन्होंने प्राधिकरण से निगम को हस्तातंरित माकड़वाली भक्ति धाम मार्ग एवं एमडीएस तिराहे से अंबेडकर सर्किल तक सड़क के रखरखाव, वरुण सागर सौंदर्यीकरण की डीपीआर तथा प्रस्तावित आध्यात्मिक केंद्र की प्रगति की भी समीक्षा की। श्री देवनानी ने जयपुर रोड पर जलभराव की समस्या के स्थायी समाधान, विधायक कोष से अनुशंसित विकास कार्यों की तकनीकी स्वीकृतियां (टीएस) शीघ्र जारी करने के निर्देश अधिकारियों को दिए।

आईटीआई पाटोदी में सत्र 2026-27 के प्रवेश के लिए ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया शुरू

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

बालोतरा। राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान पाटोदी में सत्र 2026-27 के प्रवेश के लिए ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया 29 जून से प्रारंभ कर दी गई है। इच्छुक एवं पात्र अभ्यर्थी 16 जुलाई तक राजस्थान सरकार के एकीकृत पोर्टल अथवा ई-मित्र कियोस्क के माध्यम से अपनी एसएसओ आईडी से ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं।

संस्थान के अधीक्षक विजेन्द्र कुमार मीणा ने बताया कि प्रवेश प्रक्रिया में कक्षा 8वीं एवं 10वीं उत्तीर्ण छात्र-छात्राएं भाग ले सकते हैं। आवेदन के लिए अभ्यर्थी की आयु 1 सितंबर को न्यूनतम 14 वर्ष होना आवश्यक है। उन्होंने बताया कि ऑनलाइन आवेदन प्राप्त होने के बाद 24 जुलाई को प्रथम मेरिट सूची जारी की जाएगी। सीट आवंटन के बाद चयनित अभ्यर्थियों को अपने मूल दस्तावेजों का सत्यापन कराते हुए 27 जुलाई से 30 जुलाई तक सायं 5 बजे तक संबंधित संस्थान में प्रवेश शुल्क जमा कराना होगा। आईटीआई पाटोदी में इस सत्र के लिए विभिन्न रोजगारपरक ट्रेडों में प्रवेश दिया जाएगा। इनमें स्विंग टेक्नोलॉजी (एक वर्षीय), विद्युतकार (दो वर्षीय), फिटर (दो वर्षीय), वायरमैन (दो वर्षीय) तथा रेफ्रिजरेशन एवं एयर कंडीशनिंग (दो वर्षीय) ट्रेड शामिल हैं। इन पाठ्यक्रमों के माध्यम से युवाओं को तकनीकी दक्षता प्रदान कर रोजगार एवं स्वरोजगार के बेहतर अवसर उपलब्ध कराए जाएंगे।

माध्यमिक शिक्षा निदेशक के निर्देश जारी

सरकारी और निजी स्कूलों में बनेंगे रोड सेफ्टी क्लब

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

कोटा। सड़क सुरक्षा को जनआंदोलन बनाने की दिशा में अब स्कूली बच्चों को भी जोड़ा जाएगा। स्कूलों में रोड सेफ्टी क्लबों का गठन किया जाएगा, जिनके माध्यम से विद्यार्थियों को ट्रैफिक नियमों की जानकारी दी जाएगी और उन्हें सड़क सुरक्षा का संदेश समाज तक पहुंचाने के लिए तैयार किया जाएगा। इसका उद्देश्य बच्चों को केवल नियमों की जानकारी देना नहीं, बल्कि उन्हें व्यावहारिक रूप से जिम्मेदार नागरिक बनाना भी है। इस संबंध में माध्यमिक शिक्षा निदेशक सीताराम जाट ने सभी संयुक्त निदेशकों को निर्देश जारी किए हैं। ऐसे में राजस्थान के सरकारी और निजी स्कूलों में रोड सेफ्टी क्लब बनाए जाएंगे। योजना के तहत कोटा जिले के एक हजार से अधिक सरकारी एवं निजी स्कूलों में रोड सेफ्टी क्लब बनाए जाएंगे। प्रत्येक स्कूल में 5 से 10 विद्यार्थियों को रोड सेफ्टी वालंटियर के रूप में चयनित किया जाएगा। ये छात्र अपने स्कूल के साथ-साथ घर और आसपास के क्षेत्रों में भी सड़क सुरक्षा को लेकर जागरूकता गतिविधियां संचालित करेंगे।

ट्रैफिक पुलिस भी देगी बच्चों को जानकारी

रोड सेफ्टी क्लबों के माध्यम से विद्यार्थियों को हेलमेट पहनने, सीट बेल्ट लगाने, निर्धारित गति सीमा का पालन करने, मोबाइल फोन का उपयोग करते हुए वाहन नहीं चलाने तथा यातायात संकेतों को समझने और मानने के बारे में जानकारी दी जाएगी। विशेष बात यह रहेगी कि ट्रैफिक पुलिस भी स्कूलों में पहुंचकर बच्चों से संवाद करेगी और सड़क हादसों के वास्तविक कारणों तथा उनके दुष्परिणामों के बारे में जानकारी देगी।कई बार एक छोटी सी लापरवाही पूरे परिवार की खुशियां छीन लेती है। इसी संदेश को प्रभावी बनाने के लिए ट्रैफिक पुलिस विद्यार्थियों को हेलमेट और सीट बेल्ट के महत्व, ओवर स्पीडिंग के खतरे, सुरक्षित ड्राइविंग के नियमों की जानकारी देगी। विद्यार्थियों को व्यावहारिक प्रशिक्षण भी दिया जाएगा।

क्यों जरूरी है यह पहल

शहर में आज भी दोपहिया वाहन चालक बिना हेलमेट चलते है, कई लोग सीट बेल्ट को औपचारिकता समझते है। युवा वर्ग में ओवर स्पीडिंग और स्टंटबाजी देखते को मिलती है। ऐसे में यदि बच्चों को स्कूल स्तर पर ही सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक किया जाए तो आने वाले वर्षों में दुर्घटनाओं में कमी लाई जा सकती है।

जब विद्यार्थी स्वयं नियमों का पालन करेंगे और अपने परिवार को भी इसके लिए प्रेरित करेंगे तो सड़क सुरक्षा का संदेश तेजी से घर-घर तक पहुंचेगा। पिछले साल भी हमने स्कूलों में ट्रैफिक पुलिस के माध्यम से बच्चों को नियम की जानकारी उपलब्ध करवाई थी। इस बार भी हम स्कूलों में यह पहल करेंगे।

आशा मंडावत, संयुक्त निदेशक, कोटा संभाग

भरतपुर-ब्यावर ग्रीन एक्सप्रेस-वे का कार्य शुरू, इंटरचेंज की मांग तेज

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर/भरतपुर। भरतपुर-ब्यावर ग्रीन एक्सप्रेस-वे का कार्य शुरू होते ही इंटरचेंज को लेकर सियासत और स्थानीय विरोध तेज हो गया है। जिन किसानों की जमीन इस परियोजना में अधिग्रहित हो रही है, वे अब सवाल उठा रहे हैं कि अगर जमीन उनकी जा रही है तो एक्सप्रेस-वे का फायदा भी उन्हें मिलना चाहिए। सवाई माधोपुर से लेकर जयपुर तक अलग-अलग स्थानों पर इंटरचेंज की मांग जोर पकड़ रही है, जबकि विभाग ने 'कंट्रोल्ड एक्सेस हाईवे का हवाला देकर ज्यादा कट का प्रावधान नहीं किया। भरतपुर से ब्यावर तक करीब 277 किमी लंब हाईवे बनेगा। लोगों ने क्षेत्रीय विधायक इंदिरा मीणा के समक्ष भी यह बात रखी है। इसके बाद पिछले दिनों इंदिरा मीना उप मुख्यमंत्री और सार्वजनिक निर्माण विभाग की मंत्री दिया कुमारी से इस मुद्दे को लेकर मिल चुकी है। विधायक ने बताया कि मित्रपुरा में इंटरचेंज से 150 से ज्यादा और बामनवास में इंटरचेंज से करीब इतने ही गांवों के लोगों को फायदा मिल सकता है। वहीं जयपुर जिले के माधोराजपुरा में भी इंटरचेंज की मांग की जा रही है।

बेहतर सुविधा मिलेगी

विधायक एवं कांग्रेस जिला अध्यक्ष इंदिरा मीणा ने कहा कि यदि दोनों स्थानों पर इंटरचेंज (कट) बनाए जाते है तो बामनवास क्षेत्र के हजारों लोगों को बेहतर आवागमन सुविधा मिलेगी। साथ ही व्यापार, कृषि, शिक्षा और रोजगार की गतिविधियों को भी बढ़ावा मिलेगा तथा क्षेत्र सीधे एक्सप्रेस-वे से जुड़ सकेगा। विधायक ने क्षेत्र की विभिन्न नई सड़क परियोजनाओं को स्वीकृति प्रदान करने तथा लंबे समय से अधूरी सड़क परियोजनाओं को पूरा कराने की मांग की।

निर्माण कार्यों की गुणवत्ता से समझौता नहीं

इंदिरा मीणा ने कहा कि कई स्थानों पर निर्माण कार्य निर्धारित समय सीमा के बाद भी पूरे नहीं हो सके हैं, जिससे आमजन को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने घटिया गुणवत्ता से किए जा रहे निर्माण कार्यों पर भी चिंता व्यक्त करते हुए ऐसे मामलों की उच्चस्तरीय जांच कराने तथा लापरवाह ठेकेदारों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने की मांग की।

किशनगढ़ से अब दिल्ली और जेवर के लिए सीधी फ्लाइट, नया शेड्यूल 1 जुलाई से लागू

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

किशनगढ़ (अजमेर)। किशनगढ़ एयरपोर्ट से हवाई सेवाओं के विस्तार की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए इंडिगो एयरलाइंस 1 जुलाई से दिल्ली और 2 जुलाई से नोएडा (जेवर) के लिए नियमित उड़ान सेवा शुरू करने जा रही है। एयरलाइन ने दोनों रूट पर ऑनलाइन बुकिंग शुरू कर दी है। नई सेवाओं के शुरू होने से अजमेर संभाग, मार्बल उद्योग और एनसीआर के बीच हवाई संपर्क मजबूत होगा। साथ ही व्यापार, पर्यटन, शिक्षा, चिकित्सा और धार्मिक यात्राओं को भी इसका सीधा लाभ मिलने की उम्मीद है। नए शेड्यूल के तहत 1 जुलाई से दिल्ली और 2 जुलाई से जेवर के लिए संचालन शुरू होगा। एयरलाइन और एयरपोर्ट प्रशासन ने नई सेवाओं के संचालन की सभी तैयारियां पूरी कर ली हैं। क्षेत्र के लोगों के लिए यह लंबे समय से अपेक्षित सुविधा मानी जा रही है। साथ ही किशनगढ़ एयरपोर्ट के विस्तार के लिहाज से भी यह उपलब्धि अहम है। भविष्य में यदि मुंबई, अहमदाबाद सहित अन्य प्रमुख शहरों के लिए भी सीधी उड़ानें शुरू होती हैं तो किशनगढ़ एयरपोर्ट प्रमुख क्षेत्रीय एयर हब के रूप में विकसित हो सकता है।

दिल्ली के लिए सप्ताह में 4 दिन उड़ान

इंडिगो 1 जुलाई से दिल्ली-किशनगढ़-दिल्ली सेक्टर पर सप्ताह में चार दिन उड़ान संचालित करेगी। यह सेवा सोमवार, बुधवार, शुक्रवार और रविवार को उपलब्ध रहेगी। निर्धारित समय के अनुसार विमान दोपहर 2.35 बजे किशनगढ़ एयरपोर्ट पहुंचेगा और अपराह्न 3 बजे दिल्ली के लिए रवाना होगा। इससे राजधानी दिल्ली आने-जाने वाले यात्रियों को नियमित और सुविधाजनक हवाई सेवा उपलब्ध होगी।

जे. के. सीमेंट को मिला राज्य स्तरीय शिक्षा भूषण सम्मान!

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

निंबाहेड़ा। जेके सीमेंट निंबाहेड़ा एवं मांगरोल को शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान एवं विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास हेतु किए गए उल्लेखनीय कार्यों के लिए राजस्थान सरकार के 30वें राज्य स्तरीय भामाशाह सम्मान समारोह- 2026 में उपमुख्यमंत्री प्रेमचंद बैरवा एवं शिक्षा मंत्री मदन दिलावर, निदेशक प्रारम्भिक शिक्षा एवं पंचायती राज विभाग राजस्थान सरकार सीताराम जाट एवं अतिरिक्त मुख्य सचिव शिक्षा विभाग राजेश कुमार यादव द्वारा जेके सीमेंट के फंक्शनल हेड एचआर प्रभाकर मिश्रा एवं सेक्शन हेड सीएसआर राहुल कुमार को यह सम्मान प्रदान किया गया। जेके सीमेंट के यूनिट हेड मनीष तोषनीवाल ने कहा कि जेके सीमेंट समूह की प्राथमिकता राजकीय विद्यालयों का आधारभूत विकास एवं गुणवत्तापूर्ण शिक्षा को बढ़ावा देना है।

कंपनी ने आसपास स्थित राजकीय विद्यालयों के भौतिक एवं शैक्षणिक वातावरण को सुदृढ बनाने के लिए अनेक विकास कार्य कराए। यह उपलब्धि शिक्षा के क्षेत्र में जेके सीमेंट की सामाजिक उत्तरदायित्व (सी.एस.आर) के प्रति प्रतिबद्धता तथा गुणवत्तापूर्ण शिक्षा को बढ़ावा देने के सतत प्रयासों का प्रतीक है।

कृषि अनुसंधान एवं आईपीएम प्रयोगशाला के नवीनीकरण कार्यों का किया लोकार्पण

चित्तौड़गढ़ @ जागरूक जनता। कृषि ग्राहय अनुसंधान केन्द्र एवं आईपीएम प्रयोगशाला के नवीनीकरण कार्यों का लोकार्पण सांसद सी.पी. जोशी एवं विधायक चंद्रभान सिंह आक्या के मुख्य आतिथ्य में संपन्न हुआ। इस अवसर पर सांसद जोशी ने कहा कि केंद्र एवं राज्य सरकार किसानों की आय बढ़ाने और कृषि को आधुनिक तकनीकों से जोड़ने के लिए लगातार कार्य कर रही है। कृषि अनुसंधान एवं प्रयोगशालाओं के सुदृढ़ होने से किसानों को उन्नत तकनीक, गुणवत्तापूर्ण जैविक उत्पाद तथा वैज्ञानिक सलाह का लाभ मिलेगा। विधायक आक्या ने कहा कि डबल इंजन सरकार किसानों के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है। सरकार कृषि अनुसंधान, नवाचार और आधुनिक सुविधाओं के विस्तार के माध्यम से किसानों को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में निरंतर कार्य कर रही है। आईपीएम के उपनिदेशक ओ.पी. शर्मा ने प्रयोगशाला की गतिविधियों एवं नवीनीकरण कार्यों की जानकारी दी। वहीं उपनिदेशक डॉ. राकेश व्यास ने अतिथियों का स्वागत किया। कार्यक्रम में सांसद एवं विधायक ने आईपीएम प्रयोगशाला में तैयार किए जा रहे जैविक उत्पाद ट्राइकोडर्मा एवं मेटाराइजियम के उत्पादन की प्रक्रिया का निरीक्षण किया।

233 गांजे के पौधे एवं 530 ग्राम गांजा जब्त, एक आरोपी गिरफ्तार

चित्तौड़गढ़ @ जागरूक जनता। ऑपरेशन त्रिनेत्र के तहत भादसोड़ा थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए ग्राम चाकुड़ा स्थित एक खेत में अवैध रूप से उगाई जा रही गांजे की खेती का पर्दाफाश किया है। मौके से 233 गांजे के पौधे एवं 530 ग्राम अवैध गांजा जब्त कर खेत मालिक महिपाल सिंह को गिरफ्तार किया है। पुलिस अधीक्षक धर्मेंद्र सिंह ने बताया कि एएसपी मुकुल शर्मा के निर्देशन एवं डीएसपी भदेसर विनोद कुमार के पर्यवेक्षण में यह कार्यवाही की गई।

घर मंगवाये जागरूक जनता

सदस्यता फार्म

दिनांक ....

जागरूक जनता हिन्दी अखबार एक उद्देश्य, एक मिशन, एक विश्वास के साथ आमजन की समस्याएं, वर्तमान राजनीतिक परिदृश्य, सांस्कृतिक गलियारा, भौगोलिक दृष्टिकोण को एक-दूसरे से साझा करने के लिए एक सेतु का काम कर रहा है। शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों में आधुनिकतम एवं तकनीकी जानकारी पहुंचाकर शहरी एवं ग्रामीण विकास को प्रोत्साहित कर रहा है। जागरूक जनता समय-समय पर भिन्न-भिन्न विषयों के साथ- अपने पाठकों के बीच उपस्थित रहता है।

सदस्यता राशि

☐ एक वर्ष रु. 250/- ☐ दो वर्ष रु. 450/- ☐ तीन वर्ष रु. 600/- ☐ पांच वर्ष रु. 1000/-

डाक से नियमित रुप से निम्न पते पर जागरूक जनता भेजने के लिए डिमान्ड ड्राफ्ट/मनीऑर्डर जागरूक जनता के नाम भेज रहा हूं। फोन-पे, पेटीएम-9829329070

नाम / संस्था का नाम ....

पता : ....

....

फोन .... पिन कोड

राशि (रुपए) .... बैंक का नाम ....

डिमान्ड ड्राफ्ट / मनीऑर्डर क्रमांक (डीडी/एमओ जागरूक जनता के नाम भेजें)

• सदस्यता रजिस्ट्रेशन क्रं. ....रसीद क्रं. ....

दिनांक .... हस्ताक्षर

सदस्यता हेतु लिखे प्रसार प्रभारी →

जागरूक जनता
सकारात्मक हिन्दी अखबार

बी-132, जे.पी. कॉलोनी, सैक्टर-4, विद्याधर नगर, जयपुर (राज.) मो.- 9829329070, 9928022718

दिन में सूरज की बनाई बिजली रात में भी आएगी काम

राजस्थान बनेगा सौर ऊर्जा का 'पावर बैंक'

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जोधपुर। राजस्थान अब केवल सौर ऊर्जा उत्पादन में ही नहीं, बल्कि ऊर्जा भंडारण (बैटरी एनर्जी स्टोरेज सिस्टम-बीइएसएस) में भी देश का अग्रणी राज्य बनने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। राजस्थान राज्य विद्युत उत्पादन निगम लिमिटेड सितंबर तक 1000 मेगावाट बैटरी ऊर्जा भंडारण क्षमता शुरू करने की तैयारी मे है। इसके अलावा राज्य सरकार ने 2027 तक कुल 6000 मेगावाट बैटरी स्टोरेज क्षमता विकसित करने का लक्ष्य रखा है। पश्चिमी राजस्थान में दिन में बड़ी मात्रा में सौर ऊर्जा पैदा होती है, लेकिन मांग कम होने पर काफी बिजली का उपयोग नहीं हो पाता। बैटरी स्टोरेज सिस्टम इस अतिरिक्त बिजली को संग्रहित करेगा और शाम तथा रात के पीक आवर्स में ग्रिड को आपूर्ति करेगा। इससे बिजली की उपलब्धता चौबीसों घंटे सुनिश्चित हो सकेगी। पहले बीकानेर फिर जैसलमेर व जोधपुर में भी इसके लिए योजना बनाई जा रही है। बैटरी स्टोरेज से कोयला आधारित बिजली संयंत्रों पर निर्भरता कम होगी, ग्रिड की स्थिरता बढ़ेगी और पीक डिमांड के समय बिजली कटौती की आशंका भी घटेगी। इसे "राउंड-द-क्लॉक ग्रीन पावर" रणनीति का प्रमुख आधार माना जा रहा है।

क्या है बीइएसएस

यह अतिरिक्त बिजली को बैटरियों में संग्रहित करने की तकनीक है। सौर या पवन ऊर्जा से बनी अतिरिक्त बिजली को स्टोर कर जरूरत के समय उपयोग किया जाता है। इससे ग्रिड की स्थिरता बढ़ती है और महंगे थर्मल बिजली संयंत्रों की जरूरत कम होती है।

राजस्थान की बैटरी स्टोरेज योजना

- » **सितंबर 2026 तक:** 1000 मेगावाट करने बैटरी स्टोरेज क्षमता शुरू करने का लक्ष्य।
- » **2027 तक लक्ष्य:** 6000 मेगावाट स्टोरेज क्षमता।
- » 3 हजार मेगावाट के रिन्यूएबल एनर्जी के स्रोत पश्चिमी राजस्थान में लगे हैं।
- » 325 दिन प्रदेश में धूप रहने से सोलर जनरेशन सबसे ज्यादा होता है।

घरों पर भी बन रहे पावर बैंक

बड़े सोलर पार्क के अलावा घरों पर लगे रूफ टॉप सिस्टम पर भी पावर बैंक बन रहा है। दिन में बनी बिजली को स्टोर करने के लिए लिथियम आधारित बैटरी का चलन बढ़ रहा है। रात में पावर कट होने पर बड़ी क्षमता के एसी व कई उपकरण भी अब सोलर से बनी बिजली संचय से चल रहे हैं।

रिन्यूएबल एनर्जी को स्टोरेज करने का कॉन्सेप्ट काफी फायदे वाला होगा। वर्तमान में सोलर जनरेशन पूरा ग्रिड में चला जाता है और रात में पीक खपत होने पर इसका उपयोग नहीं होता। लेकिन अब घरों में भी नए जमाने के इंवर्टर व पावर बैंक काफी उपयोगी साबित हो रहे हैं।

-ओंकार सिंह, सचिव, सोलर इकाइ लघु उद्योग भारती

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक ज्ञानेन्द्र मिश्रा के लिए जैमन प्रिन्टर्स प्राइवेट लिमिटेड, जी-1-68, रोड नम्बर-14, वीकेआई, जयपुर से मुद्रित एवं प्रशासनिक और विज्ञापन कार्यालय : बी-132, जे.पी. कॉलोनी, सैक्टर-4, विद्याधर नगर, जयपुर-302039 से प्रकाशित। फोन : 0141-3587886

10वीं के छात्रों को नहीं देनी होगी तीसरी भाषा की बोर्ड परीक्षा

नई दिल्ली @ जागरूक जनता। सीबीएसई ने तीन भाषा नीति को लेकर नई गाइडलाइन जारी की है। CBSE बोर्ड ने साफ किया है कि 2026-27 सत्र में कक्षा 10 में पढ़ने वाले छात्रों पर नई व्यवस्था लागू नहीं होगी। उन्हें पहले की तरह दो भाषाओं की पढ़ाई करनी होगी और तीसरी भाषा की बोर्ड परीक्षा नहीं देनी होगी। वहीं, कक्षा 7, 8 और 9 के छात्रों को भी 10वीं में पहुंचने पर तीसरी भाषा की बोर्ड परीक्षा से छूट दी गई है। CBSE ने कहा है कि नई नीति का उद्देश्य छात्रों पर अतिरिक्त परीक्षा का दबाव बढ़ाना नहीं, बल्कि भाषा सीखने को आसान और बेहतर बनाना है।

कक्षा 7वीं से 9वीं तक नया नियम

CBSE बोर्ड के अनुसार, जो छात्र अभी कक्षा 7, 8 और 9 में हैं, जब वे 10वीं कक्षा में पहुंचेंगे तो तीसरी भाषा की बोर्ड परीक्षा नहीं देनी होगी। बोर्ड ने बताया कि इन कक्षाओं के छात्रों के लिए तीसरी भाषा की पढ़ाई जारी रहेगी, लेकिन इसका मूल्यांकन स्कूल स्तर पर ही किया जाएगा। इसके लिए CBSE की बोर्ड परीक्षा नहीं होगी। CBSE ने कहा कि तीसरी भाषा के लिए छात्रों को उनकी कक्षा के अनुसार पढ़ाई की सामग्री समय पर उपलब्ध कराई जाएगी।

2 विदेशी भाषाएं पढ़ रहे छात्रों के लिए प्रावधान

नई गाइडलाइन में उन छात्रों के लिए भी विशेष व्यवस्था की गई है, जो पहले से दो विदेशी भाषाएं पढ़ रहे हैं। CBSE ने कहा कि ऐसे छात्र अपनी दोनों विदेशी भाषाओं को जारी रख सकते हैं, लेकिन उन्हें एक भारतीय भाषा भी जोड़नी होगी। यह एक बार के लिए दी गई छूट होगी। अगर छात्र पहले से दो भारतीय भाषाएं पढ़ रहे हैं तो वे तीसरी भाषा के रूप में दूसरी भारतीय भाषा या विदेशी भाषा चुन सकते हैं।

संपादक : ज्ञानेन्द्र मिश्रा मो.-9829329070, फोन : 0141-3587886, ईमेल : jagrukjantanews@gmail.com (सभी मामलों का न्याय क्षेत्र जयपुर) * पीआरबी एक्ट के तहत खबर चयन के जिम्मेदार। संपादकीय कार्यालय : 132, जे.पी. कॉलोनी, सैक्टर-4, विद्याधर नगर, जयपुर (राजस्थान)-302039 समाचार संपादक- चेतेन्द्र कुमार मिश्रा

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा करेंगे 29वीं राष्ट्रीय ई-गवर्नेंस कॉन्फ्रेंस (एनसीईजी) का शुभारंभ

मिनिमम गवर्नमेंट, मैक्सिमम गवर्नेंस के विजन को साकार करने में डिजिटल गवर्नेंस देश में परिवर्तन का सशक्त माध्यम-श्रीनिवास

'विकसित भारत 2047, एआई सक्षम, डेटा संचालित एवं सुरक्षित डिजिटल गवर्नेंस' थीम पर होगा दो दिवसीय राष्ट्रीय मंथन

देशभर से 2,700 से अधिक प्रतिनिधि, 200 से अधिक वक्ता, 1100 स्टार्टअप्स, 400 शिक्षाविद एवं नीति-निर्माता होंगे शामिल

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'मिनिमम गवर्नमेंट, मैक्सिमम गवर्नेंस' के विजन को साकार करने में डिजिटल गवर्नेंस देश में परिवर्तन का सशक्त माध्यम बना है। प्रौद्योगिकी के माध्यम से सरकारी सेवाओं की पहुंच, गुणवत्ता, पारदर्शिता एवं जवाबदेही में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है तथा नागरिकों और शासन के बीच की दूरी लगातार कम हुई है। मुख्य सचिव श्री वी. श्रीनिवास ने मंगलवार को 29वीं राष्ट्रीय ई-गवर्नेंस कॉन्फ्रेंस (एनसीईजी) के संबंध में राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर (आरआईसी) में आयोजित प्रेस वार्ता में यह बात कही।

उन्होंने कहा कि विकसित भारत-2047 के लक्ष्य की प्राप्ति में डिजिटल गवर्नेंस की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। इसी उद्देश्य को आगे बढ़ाते हुए आरआईसी, जयपुर में 1 एवं 2 जुलाई को आयोजित होने वाली 29वीं राष्ट्रीय ई-गवर्नेंस कॉन्फ्रेंस देशभर के नीति-निर्माताओं, प्रशासनिक अधिकारियों, तकनीकी विशेषज्ञों, शिक्षाविदों, स्टार्टअप्स एवं उद्योग जगत के प्रतिनिधियों को एक साझा मंच प्रदान करेगी, जहां भविष्य की तकनीक आधारित, एआई सक्षम, डेटा संचालित एवं सुरक्षित डिजिटल शासन व्यवस्था पर व्यापक मंथन होगा।

सम्मेलन का आयोजन केन्द्रीय प्रशासनिक सुधार एवं लोक शिकायत विभाग, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय तथा राजस्थान सरकार के संयुक्त तत्वावधान में किया जा रहा है। इस वर्ष की थीम 'विकसित भारत 2047 एआई सक्षम, डेटा संचालित एवं सुरक्षित डिजिटल गवर्नेंस' रखी गई है।

इस दौरान केन्द्रीय प्रशासनिक सुधार एवं लोक शिकायत विभाग के अतिरिक्त सचिव पुनीत यादव तथा सरिता चौहान, सूचना प्रौद्योगिकी एवं संचार विभाग के शासन सचिव डॉ. रवि कुमार सुरपुर, आयुक्त हिमांशु गुप्ता सहित अन्य विभागीय अधिकारीगण मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री करेंगे उद्घाटन, जनउपयोगी डिजिटल सेवाओं का होगा लोकार्पण

कॉन्फ्रेंस का उद्घाटन बुधवार, 1 जुलाई को मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा करेंगे। इस अवसर पर सूचना प्रौद्योगिकी एवं संचार मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ भी उपस्थित रहेंगे। उद्घाटन समारोह के दौरान एनसीईजी प्रदर्शनी का उद्घाटन किया जाएगा तथा प्रदेश की विभिन्न जनउपयोगी डिजिटल सेवाओं का शुभारंभ भी होगा। गुरुवार, 2 जुलाई को समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह में केन्द्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, पृथ्वी विज्ञान राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) और प्रधानमंत्री कार्यालय, कार्मिक, लोक शिकायत, पेंशन, परमाणु ऊर्जा और अंतरिक्ष राज्य मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह के मुख्य आतिथ्य में राष्ट्रीय ई-गवर्नेंस पुरस्कार– 2026 प्रदान किए जाएंगे।

डिजिटल गवर्नेंस के भविष्य पर होगा विचार-विमर्श

दो दिवसीय सम्मेलन में 2,700 से अधिक प्रतिनिधि, 200 से अधिक राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय वक्ता, भारत सरकार के वरिष्ठ सचिव, विभिन्न राज्यों के वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी, 400 से अधिक शिक्षाविद, 1,100 से अधिक स्टार्टअप्स एवं उद्यमी, उद्योग जगत के प्रतिनिधि तथा शोधकर्ता भाग लेंगे। सम्मेलन में 6 प्लेनरी सेशन एवं 6 ब्रेकआउट सेशन आयोजित होंगे, जिनमें आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित गवर्नेंस, सुरक्षित डिजिटल अवसंरचना, डेटा आधारित निर्णय प्रणाली, स्मार्ट पुलिसिंग, पब्लिक सेफ्टी, डीप टेक, वॉयस-फर्स्ट सॉल्यूशंस तथा भविष्य की डिजिटल प्रशासनिक व्यवस्थाओं पर विशेषज्ञ विचार साझा करेंगे।

42 प्रदर्शनी स्टॉल्स पर दिखेगा डिजिटल भारत का नवाचार

कॉन्फ्रेंस परिसर में 42 से अधिक प्रदर्शनी स्टॉल्स हैं, जहां केंद्र एवं विभिन्न राज्यों के डिजिटल नवाचारों के साथ राजस्थान सरकार की प्रमुख ई-गवर्नेंस परियोजनाओं का प्रदर्शन किया जाएगा। राजस्थान सरकार जन आधार, ई-मित्र, राजस्थान संपर्क-181, राजकाज, राज किसान साथी, स्मार्ट गवर्नेंस एवं स्टेट डेटा सेंटर सहित विभिन्न डिजिटल प्लेटफॉर्म्स की उपलब्धियों को राष्ट्रीय मंच पर प्रदर्शित करेगी। सम्मेलन में आईटी प्लेटफॉर्म एवं बिल्डिंग ब्लॉक्स हैंडबुक का विमोचन किया जाएगा।

नींदड़ मोड़ दुर्घटना के बाद जिला प्रशासन ने बनाई सुरक्षा उपायों की कार्ययोजना

चरणबद्ध रूप से सुधार कार्य होंगे सुनिश्चित

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। नींदड़ मोड़ पर 16 जून 2026 को हुई भीषण दुर्घटना के कारणों की जांच एवं भविष्य में इस प्रकार की दुर्घटना घटित न हो, इस हेतु जिला कलक्टर संदेश नायक के निर्देशानुसार सात सदस्यीय जांच समिति का गठन किया गया। समिति ने 26 जून को मौका निरीक्षण कर मौके पर किये जाने वाले वांछित सुधारों के संबंध में जिला कलक्टर को अवगत कराया। अतिरिक्त जिला कलक्टर जयपुर शहर दक्षिण युगांतर शर्मा ने बताया कि समिति की रिपोर्ट के आधार पर नींदड़ मोड़ स्थित ट्रैफिक लाइट को जयपुर विकास प्राधिकरण को निर्देशित कर चालू करवाया गया है। साथ ही परियोजना कार्यान्वयन ईकाई जयपुर (भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण) को लघु अवधि के उपाय के तहत सड़क मरम्मत करते हुए नींदड़ की तरफ जाने वाले वाहन व जयपुर की तरफ जाने वाले वाहनों के मध्य पृथक्करण हेतु उचित व्यवस्था करने, वाहन गति पुनः निर्धारित करते हुए संकेतक लगाने, मोड़ से पहले वाहनों की गति कम करने के लिए उचित टीबीएम मार्किंग, सर्विस रोड से आने वाले वाहनों की एक ही स्थान पर मुख्य सड़क पर प्रवेश करने का विकल्प उपलब्ध कराने हेतु वांछित अवरोधक लगाने की व्यवस्था कर अनुपालना 3 जुलाई 2026 तक प्रस्तुत करने के निर्देश प्रदान किये। यातायात पुलिस को यातायात प्रबंधन हेतु परियोजना कार्यान्वयन ईकाई जयपुर (भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण) द्वारा मौके पर किये जाने वाले सुधारात्मक कार्यों के संबंध में 1 जुलाई 2026 से एशियन रोड सेफ्टी एकेडमी व अन्य एनजीओ की सहायता से जनता को जानकारी देने, ट्रैफिक नियमों की अनुपालना बाबत समझाइश करने एवं समझाइश के बाद नियमानुसार कार्यवाही करने हेतु निर्देशित किया। दीर्घावधिक उपाय के तहत इस हेतु परियोजना कार्यान्वयन ईकाई जयपुर (भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण) को सुविधा स्थानान्तरण (फेसिलिटी शिफ्टिंग) कार्य जेवीवीएनएल के पर्यवेक्षण में 5 जुलाई 2026 तक पूर्ण करते हुए, सर्विस रोड का निर्माण 20 जुलाई 2026 तक पूरा करने एवं सर्विस रोड व मुख्य सड़क के मध्य यात्री सुरक्षा रैलिंग लगाकर पृथक्करण करने की कार्यवाही किये जाने के निर्देश दिये।

संस्कार स्किल सेंटर में एक दिवसीय कैंपस प्लेसमेंट एवं करियर मार्गदर्शन शिविर आयोजित, 227 युवाओं का हुआ प्रारंभिक चयन

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। राज्य सरकार के कौशल, रोजगार एवं उद्यमिता विभाग की वार्षिक कार्ययोजना वर्ष 2026-27 के क्रियान्वयन के तहत संभागीय रोजगार कार्यालय, जयपुर द्वारा मंगलवार को संस्कार स्किल सेंटर, कांटा चौराहा, झोटवाड़ा, जयपुर में एक दिवसीय कैंपस प्लेसमेंट एवं करियर मार्गदर्शन शिविर का आयोजन किया गया। संभागीय रोजगार कार्यालय, जयपुर की संयुक्त निदेशक नवरेखा ने बताया कि शिविर में लगभग 400 बेरोजगार आशार्थियों ने भाग लिया। विभिन्न निजी संस्थानों द्वारा उपलब्ध रिक्तियों के अनुरूप 227 आशार्थियों का प्रारंभिक चयन कर उन्हें लाभान्वित किया गया।

उन्होंने बताया कि शिविर में निर्माण, स्टाफिंग, टेक्सटाइल, ऑटोमोबाइल, सूचना प्रौद्योगिकी, फाइनेंस, बैंकिंग एवं एजुकेशन सहित विभिन्न क्षेत्रों से संबंधित लगभग 13 निजी संस्थानों ने भाग लिया। इस दौरान युवाओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के साथ-साथ करियर संबंधी मार्गदर्शन भी प्रदान किया गया। नवरेखा ने उपस्थित युवाओं को विभागीय योजनाओं एवं रोजगार संबंधी अवसरों की जानकारी देते हुए उन्हें आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित किया। वहीं कनिष्ठ रोजगार अधिकारी चंद्र प्रकाश मीणा ने प्रतियोगी परीक्षाओं एवं एनसीएस पोर्टल की जानकारी दी। आरएसएलडीसी के जिला कौशल समन्वयक राहुल यादव ने कौशल प्रशिक्षण योजनाओं की विस्तृत जानकारी प्रदान की।

कार्यक्रम में संस्कार इन्फोटेक के निदेशक लोकेश कुमार मीणा ने सभी प्रतिभागियों का स्वागत किया तथा आभार व्यक्त किया। शिविर के सफल आयोजन में चंद्रभान चारण, योगिता वर्मा एवं रजनीश खलवा का सक्रिय सहयोग रहा।

जिला स्तरीय रोजगार उत्सव का होगा आयोजन

प्रधानमंत्री मोदी करेंगें 4 को जयपुर मेट्रो फेज-2 का वर्चुअल उद्घाटन

5664 नव नियुक्त कार्मिकों को वितरित किए जाएंगे नियुक्ति पत्र

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। जयपुर के सवाई मानसिंह स्टेडियम स्थित इंडोर हॉल में 4 जुलाई को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा जयपुर मेट्रो द्वितीय फेज का वर्चुअल उद्घाटन किया जाना प्रस्तावित है। इस अवसर पर जिला स्तरीय रोजगार उत्सव का भी आयोजन होगा जिसमें विभिन्न विभागों के नव नियुक्त कार्मिकों को नियुक्ति पत्र वितरित किए जाएंगे। कार्यक्रम में 5664 नवनियुक्त कार्मिकों को पंजीकरण उपरांत नियुक्ति पत्र प्रदान किए जाएंगें।

जयपुर जिला कलक्टर संदेश नायक ने कार्यक्रम के सफल, सुव्यवस्थित एवं गरिमामय आयोजन के लिए सभी संबंधित विभागीय अधिकारियों को कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर विस्तृत दिशा-निर्देश जारी करते हुए सभी व्यवस्थाएं समयबद्ध रूप से पूर्ण करने के निर्देश दिए हैं। कार्यक्रम के दौरान सुरक्षा एवं कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस प्रशासन द्वारा व्यापक प्रबंध किए जाएंगे। यातायात संचालन, पार्किंग, प्रवेश एवं निकास व्यवस्था, वीआईपी मूवमेंट, भीड़ नियंत्रण तथा आवश्यक सुरक्षा उपकरणों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के साथ ही कार्यक्रम स्थल पर पर्याप्त संख्या में पुलिस बल एवं महिला पुलिसकर्मियों की तैनाती रहेगी। उन्होंने बताया कि प्रतिभागियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए कार्यक्रम स्थल पर बैठक व्यवस्था, पेयजल, स्वच्छता, मोबाइल शौचालय, चिकित्सा सहायता, एम्बुलेंस, अग्निशमन, विद्युत आपूर्ति, बैकअप जनरेटर, इंटरनेट एवं संचार व्यवस्था सहित सभी मूलभूत सुविधाएं सुनिश्चित की जाएंगी। इसके अतिरिक्त दिव्यांगजनों के लिए भी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी।

कार्यक्रम के सफल संचालन के लिए जिला कलक्टर ने अतिरिक्त जिला कलक्टर (प्रथम) राजीव द्विवेदी को नोडल अधिकारी नियुक्त किया है। वहीं मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी मुकुल कविया एवं जयपुर मेट्रो के निदेशक (कंपनी मामलात) महेश बुराडिया को सह नोडल अधिकारी बनाया गया है। सभी विभागों को आपसी समन्वय के साथ निर्धारित जिम्मेदारियों का निर्वहन करते हुए कार्यक्रम को सफल बनाने के निर्देश दिए गए हैं।

रणथंभौर और सरिस्का 3 माह के लिए बंद, कोर जोन पर्यटकों के लिए बंद

जयपुर @ जागरूक जनता। रणथंभौर, सरिस्का में 3 महीने का मानसून ब्रेक रहेगा। कोर जोन पर्यटकों के लिए बंद रहेगा। 1 जुलाई से 30 सितंबर तक जोन-1 से 5 में सफारी पूरी तरह बंद रहेगा। बाघों के प्रजनन, शावकों की सुरक्षा और आवास संरक्षण को प्राथमिकता मिलेगी। मानसून में जंगल की हरियाली और शिकार प्रजातियों का प्राकृतिक विस्तार होगा। वन विभाग सड़क, वाटरहोल और कैमरा ट्रैप नेटवर्क का रखरखाव करेगा. एंटी-पोचिंग गश्त और बाघों की वैज्ञानिक मॉनिटरिंग लगातार जारी रहेगी। रेडियो कॉलर, कैमरा ट्रैप और टाइगर ट्रेकर्स हर गतिविधि पर नजर रखेंगे। पर्यटक दबाव घटने से वन्यजीव निर्बाध रूप से प्राकृतिक व्यवहार कर सकेंगे। रणथंभौर के जोन-6, 7, 8, 9 और 10 में पर्यटन गतिविधि जारी रहेगी। सरिस्का के बफर जोन में भी पर्यटन गतिविधियां जारी रहेंगी। अक्टूबर से नए रोमांच और बेहतर तैयारियों के साथ रणथंभौर और सरिस्का का कोर जंगल फिर खुलेगा।

अमरनाथ यात्रा-2026: यात्रा पर सूचना सिर्फ अधिकृत अफसर ही देंगे

जम्मू कश्मीर @ जागरूक जनता। अमरनाथ यात्रा-2026 को लेकर जम्मू-कश्मीर सरकार ने बड़ा आदेश देते हुए कहा कि अमरनाथ यात्रा पर सूचना सिर्फ अधिकृत अफसर ही देंगे। जम्मू-कश्मीर सरकार ने अहम सर्कुलर जारी करते हुए कहा कि मीडिया ब्रीफिंग के लिए केवल अधिकृत अधिकारी ही अधिकृत होंगे। कश्मीर संभाग में डिविजनल कमिश्नर और IGP कश्मीर ही आधिकारिक जानकारी देंगे। जम्मू संभाग में डिविजनल कमिश्नर और IGP जम्मू मीडिया को ब्रीफ करेंगे। फर्जी और भ्रामक सूचनाओं पर रोक लगाने के उद्देश्य से फैसला लिया गया।

केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव का 57वां जन्मदिवस

वन राज्यमंत्री ने किया पौधरोपण, विभिन्न कार्यक्रम आयोजित

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। पर्यावरण एवं वन राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री संजय शर्मा के नेतृत्व में मंगलवार को केंद्रीय पर्यावरण एवं वन मंत्री तथा अलवर सांसद श्री भूपेन्द्र यादव के 57वें जन्मदिन के उपलक्ष्य में पौधारोपण, गौ सेवा, फल वितरण, रक्तदान शिविर एवं बच्चियों को भोजन खिलाने सहित विभिन्न कार्यक्रमों में शिरकत कर केंद्रीय मंत्री श्री यादव के अच्छे स्वास्थ्य एवं दीर्घायु की कामना की।

वन राज्यमंत्री शर्मा ने गुरुनानक वृक्ष वाटिका में पौधारोपण कर 357 पौधे लगाए एवं कंपनी बाग में आयोजित हनुमान चालीसा पाठ कार्यक्रम में शिरकत कर 1057 पौधे लगाकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। इसके उपरान्त उन्होंने स्टेशन रोड स्थित सार्वजनिक गौशाला में गौ सेवा कर तथा राजकीय सामान्य चिकित्सालय में फल वितरण एवं जीवनधारा ब्लड बैंक में रक्तदान शिविर में शिरकत कर केंद्रीय वन मंत्री यादव के अच्छे स्वास्थ्य एवं दीर्घायु की कामना की। वहीं उन्होंने भवानी तोप स्थित सरस पार्लर पर बच्चियों को स्वयं के हाथों से भोजन परोसा।

वन राज्यमंत्री शर्मा ने कहा कि पूरे देशभर में केंद्रीय वन मंत्री एवं अलवर सांसद भूपेंद्र यादव के जन्मदिन को विभिन्न कार्यक्रम आयोजित कर कार्यकर्ताओं एवं आमजन की सहभागिता से हर्षोल्लास से मनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि केंद्रीय वन मंत्री एवं अलवर सांसद भूपेन्द्र यादव के नेतृत्व में अलवर संसदीय क्षेत्रा के चहुंमुखी विकास को गति प्रदान की जा रही है। उन्होंने पर्यावरण संरक्षण पर बल देते हुए कहा कि वृक्ष जीवन के लिए अत्यंत आवश्यक हैं। ये न केवल हमें प्राणवायु प्रदान करते हैं, बल्कि पर्यावरण को संतुलित बनाए रखते हैं और जैव विविधता को बढ़ावा देते हैं। उन्होंने सभी नागरिकों से अपील की है कि पौधारोपण के लिए यह सबसे उपयुक्त समय है अतः सभी नागरिक अधिक से अधिक पौधा लगाएं और उनकी देखभाल करें, जिससे आने वाली पीढ़ियों को एक स्वच्छ और हरित वातावरण मिल सके। कार्यक्रम में पर्यावरण प्रेमी, जनप्रतिनिधि एवं बडी संख्या में आमजन मौजूद रहे।